पटना ● मंगलवार, 06 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक: 206 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

स्वच्छ वातावरण में संपन्न करायी... 3 www. bordernewsmirror.com ब्लैक रिवीलिंग आउटफिट.. 8

संक्षिप्त समाचार

बच्ची से दुष्कर्म मामले में फांसी की सजा सुनाते हुए जज ने कहा-
ऐसे नर पिशाच समाज के लिए घातक

हरदोई (एजेंसी)। सांडी थाना क्षेत्र के अमरौखा गांव में चार वर्ष पहले तीन वर्ष की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अदालत ने सुनवाई कर आरोपी को फांसी की सजा सुनाई है।

बच्ची के साथ उसके रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया था। बच्ची लखनऊ में भर्ती रही और उसकी हालत यह हो गई कि पेशाब और शौच के रास्ते एक हो गए। पेट में पाइप डालकर चिकित्सकों ने दोनों रास्ते बनाए गए।

बच्ची से दुष्कर्म का मामला अपर जिला जज 14 की अदालत में चल रहा था। सुनवाई पूरी हो चुकी है और सोमवार को उसको फैसला सुनाया गया। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि ऐसे नर पिशाच समाज के लिए घातक हैं।

बिहार की आईपीएस काम्या मिश्रा का इस्तीफा

तैनाती दरभंगा (एजेंसी)। आईपीएस काम्या मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया, फिलहाल को दरभंगा की ग्रामीण एसपी थीं। इस्तीफे की कॉपी उन्होंने पुलिस मुख्यालय भेजा है।

जिसमें उन्होंने इस्तीफे की वजह निजी कारण बताया है। काम्या मिश्रा की पहचान एक तेज-तर्रार पुलिस अफसर की रही है। ओडिशा की रहने वाली काम्या मिश्रा बचपन से ही पढ़ाई में बहुत तेज थीं। बारहवीं में 98 प्रतिशत अंक लाने के बाद उन्होंने पहले ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास कर ली। काम्या सिर्फ 22 साल की उम्र में आईपीएस बनी और उन्हें बिहार कैडर एलॉट किया गया।

दरभंगा में ग्रामीण एसपी की तौर पर तैनात काम्या मिश्रा को एक हाई-प्रोफाइल मर्डर केस की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। ये केस बिहार के पूर्व मंत्री और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या का था।

सीबीआई की गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका खारिज

हाईकोर्ट बोला- ऐसा नहीं लगता उनकी गिरफ्तारी बिना वजह हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (5 अगस्त) को अरविंद केजरीवाल की

सीबीआईकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। साथ ही जमानत याचिका के लिए निचली अदालत जाने को कहा है।

कोर्ट ने कहा है कि यह नहीं कहा जा सकता कि सीबीआई की केजरीवाल की गिरफ्तारी बिना किसी ठोस कारण के की गई है। कोर्ट ने 29 जुलाई को इसी मामले में हुई सुनवाई में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

उज्जैन-प्रजा का हाल जानने निकले महाकाल

1500 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक बजाए डमरू, बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

उज्जैन (एजेंसी)। 5 अगस्त सावन का तीसरा सोमवार था। इस अवसर पर उज्जैन में महाकाल की सवारी निकाली गई। सवारी में महाकाल चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर, तो हाथी पर मनमहेश के स्वरूप में विराजित थे। इसके पहले वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। महाकाल लोक के पास शक्ति पथ पर 1500 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाया। उज्जैन का नाम सबसे अधिक लोगों के डमरू बजाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। गिनीज बुक से आए ऋषिनाथ ने इसका सर्टिफिकेट सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक सतीश मालवीय और संतों को सौंपा।

डेढ़ लाख लोग कर चुके दर्शन

महाकाल मंदिर में सोमवार सुबह 11 बजे तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। खंडवा के ओंकारेश्वर में भी रात से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था।

छिंदवाड़ा के पातालेश्वर मंदिर में तड़के 3 बजे भगवान शिव का तीर्थ जल से अभिषेक हुआ। भोपाल के भोजपुर, बड़ वाले महादेव और गुफा मंदिर में भी पूजा-अर्चना की जा रही है। भोजपुर में 7 क्विंटल फूलों से शिवलिंग को सजाया गया है।

पीएम आवास में घुसे प्रदर्शनकारी

पूरे देश में कर्फ्यू, इंटरनेट बंद, सेना ने संभाली कमान

● भारत पहुँची, दिल्ली-गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर लैंड हुआ उनका विमान ● लोग पीएम हाउस में घुसे, आर्मी ने रोका नहीं ● बांग्लादेश में 1971 जैसे हालात, हिंदुओं का पलायन शुरु

ढाका/नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 2 महीने से चल रहे आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार, 5 अगस्त को पद से इस्तीफा दे दिया। हिंसक माहौल के चलते शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। वे सेना के विमान से रवाना हुईं। खबरों के मुताबिक उनकी बहन रेहाना भी साथ हैं। वे बंगाल के रास्ते दिल्ली पहुंच गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका विमान गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतर गया है। उसके बाद वे लंदन, फिनलैंड या दूसरे देश जा सकती हैं।बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने कहा, हम अंतरिम सरकार बनाएंगे, देश को अब हम संभालेंगे। आंदोलन में जिन लोगों की हत्या की गई है, उन्हें इंसाफ दिलाया जाएगा। ढाका में हालात बेकाबू हैं। सेना प्रमुख ने लोगों से शांति बहाली की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम हालात काबू में ले आएंगे। भरोसा रखें।

इस्तीफा देने के बाद जश्न

पीएम हसीना के इस्तीफे के बाद यहां लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर हैं और शेख हसीना के देश छोड़कर जाने का जश्न मना रहे हैं।

बांग्लादेश में अब 18 सदस्यीय अंतरिम सरकार प्रस्तावित- न्यूज मीडिया ने बताया कि आर्मी ने देश की प्रमुख पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक की है। 18 सदस्यीय अंतरिम सरकार प्रस्तावित की गई है। सेना इस सरकार को बनाएगी।

सेना प्रमुख ने कहा- पीएम हसीना ने इस्तीफा दिया, अंतरिम सरकार बनेगी- सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने कहा कि जो हत्या हुई उस पर न्याय होगा। हमने सभी दलों से बात की। हमारे बीच एक अच्छी बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है। हम अंतरिम सरकार का गठन करके शासन करेंगे।

ताजमहल में घुसकर महिला ने मुख्य गुबंद पर भगवा लहराया

● सावन सोमवार पर गंगा जल चढ़ाया

आगरा (एजेंसी)। आगरा के ताजमहल में सावन के सोमवार पर महिला ने मुख्य गुंबद के ऊपर जल चढ़ाया। उसने भगवा कपड़ा भी लहराया। महिला ने दावा किया कि वह बोतल में गंगाजल लेकर गई थी।

सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के जवान पहुंचे, उन्हें देखते ही महिला भागने लगी। जवानों ने महिला को दौड़ाकर पकड़ लिया। महिला की पहचान अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर के रूप में हुई है।

7 दिन पहले भी कांवड़ लेकर जल चढ़ाने पहुंची थीं

7 दिन पहले भी मीरा राठौर जल चढ़ाने पहुंची थी। लेकिन, भीतर दाखिल नहीं हो पाई थी। युवा हिंदू महासभा प्रदेश अध्यक्ष बृजेश भदौरिया ने कहा- पिछले सोमवार को मीरा कासगंज के सोरो से कांवड़ लेकर पहुंची थीं। मगर, पुलिस ने उन्हें पश्चिमी गेट पर ही रोक दिया था। 2 घंटे तक गेट पर खड़ी थीं।

कांग्रेस ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को टोका तो खोल दिया पूरा चिट्ठा

छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को किसान विरोधी करार देते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को राजनीतिक दलों से अपील की कि वे किसानों को वोट बैंक मानना बंद करें तथा उनके साथ इंसान की तरह व्यवहार करें। उच्च सदन में कृषि मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा पर अधूरे रह गए अपने जवाब को आगे बढ़ाते हुए कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से न केवल छोटे एवं सीमांत किसान सशक्त हुए बल्कि उनका सम्मान भी बढ़ा है।

कांग्रेस को याद दिलाई किसानों पर गोलीबारी की घटनाएं- कांग्रेस सदस्यों ने कृषि मंत्री के जवाब पर विरोध जताते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन से बाहर जा रहे कांग्रेस सदस्यों को इंगित करते हुए चौहान ने कहा कि यह भी सुनकर जाइये कि 23 अगस्त 1995 को हरियाणा में चलाई गई गोलियों से छह किसान मारे गए थे। इस बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कृषि मंत्री को रोकते हुए कहा कि यह बहुत ही ''दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण'' है.....। उन्होंने कहा कि जब सदन में देश के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग किसानों के बारे में चर्चा हो रही हो तो सदन में हर सदस्य का यह मौलिक कर्तव्य है कि वह चर्चा में गंभीरता से भाग ले।

भारतीय टेबल टेनिस टीम ने रोमानिया को 3-2 से हराया

क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए पेरिस ओलंपिक-2024 के बीते 9 दिन मिले जुले रहे। निशानेबाजी में देश को तीन मेडल मिल चुके हैं जिसमें से दो मनु भाकर ने दिलाए हैं।लेकिन कुछ दावेदार मेडल की रेस से बाहर हो गए जिसमें

सबसे बड़ा नाम दो बार की ओलंपिक मेडल विजेता महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का है। सिंधु से इस बार भी पदक की उम्मीद थी लेकिन वह मेडल की हैट्रिक नहीं लगा सकीं। सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी मेडल की आस को तोड़ दिया। वहीं, बॉक्सिंग में लवलीना का भी हार के साथ अभियान खत्म हुआ।

म.प्र. में बेतवा-नर्मदा उफनाई, उ.प्र.में 5 और राजस्थान में 4 की जान गई

जोधपुर में रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से धंसी पटरी, बड़ा हादसा टला, कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित 12 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। एमपी के विदिशा में बेतवा नदी का पानी पुल से ऊपर बह रहा है। नर्मदापुरम् में नर्मदा खतरे के निशान के करीब है।

● यूपी में बारिश से 6 जिले बाढ़ में डूबे - उत्तर प्रदेश में बारिश से 6 जिले बाढ़ में डूबे हुए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 5 की मौत हो गई। राजस्थान के जोधपुर में बारिश के कारण दीवार गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं रविवार रात को जोधपुर के ही बालेसर में गोतावर बांध में डूबने से एक युवक की जान चली गई।

● जोधपुर में रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से धंसी पटरी, बड़ा हादसा टला, कई ट्रेनें रद्द- राजस्थान में भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। जोधपुर क्षेत्र में रेल पटरियों पर पानी जमा होने से पटरियां धंस गईं। ट्रैकमैन की सतर्कता से बड़ी दुर्घटना टली। रेलवे ने बिलाड़ा जोधपुर ट्रेन को रद्द कर दिया और अन्य कई ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द या डाइवर्ट किया।

● पुष्कर सरोवर का जलस्तर खतरे के निशान के पार, अजमेर में बाढ़ जैसे हालात -सोमवार को पुष्कर में हुई मूसलाधार बारिश ने सरोवर का जलस्तर बढ़ा दिया और कई इलाकों में पानी भर गया। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने स्थिति को और बिगाड़ा। प्रशासन ने रेस्क्यू टीमों को अलर्ट पर रखा और सरोवर की गंदगी साफ करने के प्रयास तेज किए।

देवरिया के एक स्कूल में छोले खाने से 40 बच्चे बीमार, 8 की हालत गंभीर

विद्यालय प्रबंधन में खलबली

लखनऊ/देवरिया (एजेंसी)। जनपद देवरिया के रामपुर कारखाना क्षेत्र के मेहरौना गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज में बासी छोले खाने से 40 बच्चे बीमार हो गए हैं। उल्टी दस्त एवं पेट में दर्द तथा बुखार होने से 8 बच्चों की हालत गंभीर हो गई। जिन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

सूचना मिलते ही विद्यालय प्रबंधन में खलबली- आश्रम पद्धति विद्यालय में कुल 300 बच्चों का नामांकन है। सभी बच्चों को आवासीय

व्यवस्था दी गई है। सोमवार को दोपहर में बच्चों को विद्यालय प्रबंधन की तरफ से बासी छोला वितरित कर दिया गया। उसके कुछ देर बाद ही बच्चे उल्टी दस्त करने लगे। इसकी जानकारी होते ही विद्यालय प्रबंधन में खलबली मच गई।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रामपुर कारखाना क्षेत्र के मेहरौना गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज में कुल 300 बच्चों का नामांकन है। सभी बच्चों को आवासीय व्यवस्था दी गई है।

अमिताभ के नाम को लेकर फिर भड़कीं जया बच्चन

तो मनोहर लाल ने कहा मुझे अगले जन्म का इंतजार करना पड़ेगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में एक बार फिर जया बच्चन के बयान पर हंगामा छिड़ गया। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने आज एक विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने अपने पति और अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम लेने से इनकार कर दिया था। सोमवार के सत्र में भी उन्होंने इसी तरह के विचार दोहराए।

धनखड़ बोले- आधिकारिक रूप से बदलें नाम- हालांकि, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने इस बार उन्हें खुलकर जवाब दिया। धनखड़ ने कहा, मैडम आप बदल दीजिए, मैं बदल दूंगा। आपने अपने निर्वाचन प्रमाण पत्र के लिए जो नाम प्रस्तुत किया है, उसे बदलने की एक प्रक्रिया है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में डंफर और बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो की मौत

पटना, एजेंसी। पटना में तेज रफ्तार डंफर ने बाइक को रौंद दिया. जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौके पर हीं मृत्यु हो गई. घटना पटना-औरंगाबाद एनएच 139 स्थित जलपुरा गांव के पास की बताई जा रही है. घटना को अंजाम देने के बाद चालक डंफर लेकर फरार हो गया. मृतकों की पहचान बिहटा थाना के कंचनपुर निवासी अनवर अंसारी (51 वर्ष) और नीतीश कुमार (23 वर्ष) के रूप में की गई है. घटना की सूचना जैसे ग्रामीणों को मिली सभी लोग घटनास्थल पर पहुंच गए. घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों की भीड़ से कुछ देर तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही. इसके बाद नगर थाना को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल पालीगंज भेज दिया. ये भी पढ़ें- मुजफ्फरपुर में पॉलीटेक्निक की छात्रा ने हॉस्टल की छत से कूदकर की आत्महत्या, सेमेस्टर में लगा था बैक, पुलिस मामले की जांच में जुटीः अनवर झूला का व्यवसाय कर अपना जीविकोपार्जन चलाया करता था. वह जगह जगह मेला बाजार में झूला लगाया करता था. रविवार को वह अपने साथी नीतीश के साथ सावन महीने में लगे मेले में झूला लगाने अमझर जा रहा था. अभी वह जलपुरा पहुंचा हीं था कि तेज रफ्तार से आ रहा डंफर ने अपने में चपेट में ले लिया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर हीं दोनों की मौत हो गई. पुलिस का कहना है कि कंचनपुर निवासी अनवर अंसारी एवं नीतीश कुमार हसनपुरा प्रखंड के अमझर मेला जाने के क्रम में जलपुरा गांव के पास डंफर और बाइक में हुई आमने सामने टक्कर में मौत हो है. अस्पताल में पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दी गई है.

पटना में पंजाब नेशनल बैंक से करीब बीस लाख की लूट, नकाब में थे अपराधी, पुलिस जांच में जुटी

पटना, एजेंसी। दानापुर दुल्हिन बाजार थाना अंतर्गत सुल्तानपुर कोरैया गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक से बैंक लुट की घटना सामने आई है. बता दें कि बाइक पर सवार पांच की संख्या में अपराधी थे. सभी लुटेरे नकाब में थे. बताया जा रहा है की लूटेरों ने 21 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए हैं. यह घटना सुबह 10.30 बजे की बताई जा रही है. बता दें कि सभी अपराधी कस्टमर बन के आए थे और बैंक खुलते हीं अंदर घुस गए. इसके बाद अचानक से हथियार निका बैंक अधिकारी और ग्राहकों को बंधक बना लिया. बंधक बनाकर बैंक में स्थित एक छोटे से किचन में सबको बंद कर दिए. इसके बाद बैंक के लॉकर से करीब 21 लाख रुपए लेकर फरार हो गए. रिपोर्ट्स के अनुसार सभी अपराधी काला अपाची बाइक से आए थे. इस वारदात के बाद पुलिस घटना स्थल पहुंच मामले की जांच कर रही है. पुलिस का कहना है कि दुलहीन बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक में लुट की सूचना मिली. तीन ङ्क चार नकाबपोश लुटेरे बैंक खुलते हीं 10-10.30 में घुसे और घटना के अंजाम दिया. मैनेजर के अनुसार लूटी गई राशि करीब 21 लाख बताई जा रही है. आरोपी डीवीआर अपने साथ ले गए हैं. आसपास का सीसीटीवी फुटेज देखा जा रहा है. मामले की जांच की जा रही है।

सोमवारी पर गंगा स्नान करने गया युवक लापता, आपदा गोताखोर टीम खोजने में जुटी

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में सोमवारी पर गंगा स्नान करने गए युवक नहाने के क्रम में लापता हो गया है. कटिहार के कुरसेला थाना क्षेत्र के जरलाही गुमटी टोला का यह मामला बताया जा रहा है. बता दें कि सावन की सोमवारी को लेकर समेली प्रखंड के विषनीचक गांव के रहने वाले अनिल मंडल के 20 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार गंगा स्नान के लिए गया था, जहां नहाने के क्रम में अचानक से लापता हो गया. बताया जा रहा है कि गंगा स्नान के दौरान सूरज पानी में डूब गया. उसके बाद उसके साथ आए दोस्तों ने बचाने की कोशिश की लेकिन कुछ पता नहीं चला और बचा नहीं पाए. घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी गई जिसके बाद आपदा गोताखोर की टीम मौके पर बुलाई गई. आपदा की टीम युवक को खोजने में जुटी हुई है. स्थानीय लोग एसडीआरएफ की मांग कर रहे हैं. वहीं आक्रोशित स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रखंड स्तर के पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इन सभी चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है. जब सभी जानते हैं कि हर वर्ष गंगा स्नान करने बड़ी संख्या में लोग आते हैं. तो सुरक्षा का इंतजाम करना था.

पटना में ट्रेन से गिरकर महिला सिपाही की मौत, 20 दिन पहले हुई थी शादी

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में ट्रेन से गिरकर एक महिला सिपाही की मौत हो गई है. ऐसा बताया जा रहा है कि हाल-फिलहाल में हीं उसकी शादी हुई थी. घटना दानापुर रेल थाना क्षेत्र के नेउरा-गांधी हॉल्ट की पास रविवार शाम की है. जहां ट्रेन से गिरकर महिला सिपाही सपना कुमारी (27 वर्ष) की मौत हो गई. जो बक्सर स्टेशन पर कार्यरत थी. 20 दिनों पहले उसकी शादी हुई थी. पुलिस घटना की छानबीन कर रही है. जानकारी के अनुसार 14 जुलाई को सपना की शादी धनबाद में हुई थी. शादी के बाद ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए वह बक्सर जा रही थी. इसी दौरान नेउरा-गांधी हॉल्ट के पास ट्रेन से गिरकर उसकी मौत हो है।

बिहार की नदियां फिर ऊफनाईं, पटना-नालंदा मुख्य मार्ग की सड़क धंसी, रोहतास में बजी खतरे की घंटी

पटना, एजेंसी। झारखंड और बिहार में लगातार हुई बारिश के कारण दक्षिण और मध्य बिहार की कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ रहा है. रोहतास में लोगों को टीला खाली करने का निर्देश दिया गया है. अलर्ट जारी हो चुका है. कोसी-सीमांचल की भी नदियां ऊफान पर हैं. कटिहार में गंगा व कोसी नदियों के उफान से निचले क्षेत्रों में बाढ़ का फैलाव बढ़ने लगा है. बारिश का पानी बाढ़ में सहायक बन गया है. मौसमी नदियां लबालब होने लगी है. नदियों के बाढ़ का श्रोत मौसमी नदियों से मिलने से निचले भू-भाग के गांवों के तरफ पानी का फैलाव होने लगा है. कटिहार की नदियों में ऊफान है. जानकारी के अनुसार, गंगा के साथ कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है. बाढ़ खतरे को लेकर क्षेत्र का जनमानस दहशत में है. बताया जाता है कि उत्तराखंड में बारिश व बादल फटने से गंगा के पानी में उफान बढ़ गया है. जबकि नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रो में बारिश के अधिक होने से कोसी नदी में लगातार उफान बढ़ रहा है. उधर, नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल मे फल्गु तथा लोकाइन नदियों मे बाढ आने के कारण छह स्थानों पर तटबंध टूट गये हैं. इससे कुछ गांवो में बाढ़ का पानी फैल गया है. बताया जा रहा है कि अचानक आयी बाढ़ से एकंगरसराय पखंड के मंडाछ व नवगढ, हिलसा प्रखंड के सोहरापुल के पास धुरी विगहा व गोसाइपुर और करायपर सुराय प्रखंड के मुसाढ़ी व अकबरपुर (वेरथू) में कटाव हुआ है. इसके

बाद बाढ़ का पानी मंडाछ पंचायत के वेलछी विगहा गांव मे प्रवेश कर गया है. इससे लगभग 68 घर प्रभावित हुए हैं.झारखंड के घोड़ा घाट बियर का फॉलिंग शटर टूटने से फल्गु नदी मे बाढ़ का पानी पहुंच गया है. इससे जहानाबाद जिले के मोदनगंज तथा घोसी अंचल क्षेत्र में नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है. पानी के तेज बहाव से पटना-नालंदा मुख्य मार्ग पर पितांबरपुर बरछीबिगहा गांव के समीप सड़क टूट गयी है. इसके कारण आवागमन बाधित हो गया है. वहीं, मोदनगंज प्रखंड क्षेत्र के ही बंधुगंज पुराना पुल पर भी नदी का पानी चढ़ जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा. हालांकि, पास में ही बने नये पुल से अभी आवागमन हो रहा है. उधर, मोदनगंज हाइस्कूल परिसर में नदी का पानी प्रवेश कर गया है. पटना के मसौढ़ी अनुमंडल के पुनपुन व कररूआ नदी का जलस्तर रविवार की सुबह से अचानक बढ़ना शुरू हो गया. जबकि दरधा नदी का जलस्तर सामान्य है. सूत्रों कि मानें तो दरधा नदी का जलस्तर सोमवार तक बढ़ने की संभावना है. इधर पुनपुन के श्रीपालपुर में रविवार की शाम छह बजे तक पुनपुन नदी का जलस्तर खतरे के निशान 50.60 मीटर से 1.67 सेंटीमीटर नीचे दर्ज किया गया. पुनपुन बाढ़ नियंत्रण के कनीय अभियंता राहुल कुमार ने बताया कि पुनपुन नदी का जलस्तर शाम छह बजे 48.93 मीटर दर्ज किया गया है. उधर कररूआ नदी भी पूरे उफान पर है. हालांकि फिलहाल नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे बह रहा है. गौरतलब है कि बीते दो दिनो में हुई अत्यधिक वर्षा कि वजह से बिहार व झारखंड की सीमा पर स्थित घौडाघाट बराज का कैचमेट एरिया का फौलिंग सतह तोड़ते हुए पानी का बहाव बहुत तेज हो गया है, जिससे पुनपुन मोरहर, दरधा व कररूआ नदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना शनिवार को ही जानकारों ने दे दी थी. इधर अनुमंडल की इन नदियों के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने व सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है.

भागलपुर में कांवड़ियों से लूटपाट, जीरोमाइल चौक पर बदमाशों ने मारपीट कर छीने पैसे

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में कांवरियों से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया है.जीरो माइल गोलंबर के पास कांवरियों से अपराधियों ने लूटपाट की है. साथ ही कांवरियों के साथ मारपीट भी की गयी. कांवरिया बरारी सहित अगल-अलग घाट से गंगाजल लेकर पैदल निकले थे, इसी दौरान रविवार की देर रात को यह घटना हुई है. नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर इस लूट की घटना को अंजाम दिया. बदमाशों ने कांवरियों के कार के शीशे भी इस दौरान तोड़े और गाड़ी से उतारकर कांवरियों से लूटपाट की. मिली जानकारी के अनुसार, भागलपुर के जीरोमाइल चौक पर बदमाशों ने रविवार की रात को जमकर उत्पात मचाया. इस दौरान कांवरियों को उन्होंने अपना निशाना बनाया और लूटपाट की. अपराधियों ने अपने चेहरो को नकाब से ढक रखा था. चाकू और हथियार का भय दिखाकर उन्होंने कांवरियों से लूटपाट की. जिसके बाद पीड़ित कांवरियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी. लूट की घटना को अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए. इस मामले पर औद्यौगिक थाना के थानाध्यक्ष मुरलीधर साह से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि ये घटना संज्ञान में आया है. बताया कि ऐसी संभावना लग रही है कि इस घटना को अंजाम देने वाले किसी गिरोह के सदस्य नहीं बल्कि नशेड़ी हो सकते हैं. जो कुछ पैसों के लिए छिनतई करते हैं. अगर किसी का आवेदन पुलिस के पास आता है तो मामले की जांच करायी जाएगी.शाहकुंड-सुलतानगंज मुख्य मार्ग पर महतोस्थान के समीप रविवार की रात्रि नौ बजे सुलतानगंज से जल लेकर बासुकीनाथ धाम जाने वाले एक कांवरिये से मोबाइल की छिनतई बदमाशों ने की है. कांवरियां ने मोबाइल छिनतई की सूचना बेलथू गांव आकर स्थानीय लोगों को दी. कांवरिया हावड़ा के बताये जा रहे हैं. शाहकुंड पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच कर रही हैं और लोगों को घटना के बाबत पूछताछ कर रही हैं. महतो स्थान के पास इसके पूर्व भी छिनतई की घटना घटी है. थानाध्यक्ष जयनाथ शरण ने बताया कि कांवरिया का आवेदन प्राप्त नहीं है. घटना के सत्यापन का प्रयास जारी है. गौरतलब है कि सावन की तीसरी सोमवारी को जल अर्पण करने व सोमवारी को जल उठाने के लिए बड़ी तादाद में कांवरिये रविवार को बाबाधाम देवघर और बासुकीनाथ धाम के लिए रवाना हुए हैं. भागलपुर के बरारी गंगा घाट और सुल्तानगंज उत्तरवाहिनी गंगा का भी जल लेकर कांवरिया रविवार को निकले हैं.

छह दिनों से लापता युवक का शव मिला, पुलिस जांच पर उठे सवाल

गोपालगंज, एजेंसी। नगर थाना क्षेत्र के हजियापुर ऑफिसर कॉलोनी के पास एक युवक का शव बरामद हुआ है. मृतक छात्र की पहचान सावन कुमार के रूप में हुई. वह ब्रजेश सोनी का पुत्र बताया जा रहा है. शव बरामदगी की खबर मिलने के बाद मौके पर पहुंची ने शव का पोस्टमार्टम कराया. इसके बाद उसे परिजन को सौंप दिया गया. बताया जा रहा है कि सावन बीते रविवार रात से लापता था. इसी दौरान उसकी चाकू गोदकर हत्या कर दी गई. सोमवार (05 अगस्त) की सुबह उसका शव बरामद किया गया है.

इधर, पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर परिजन और अन्य स्थानीय लोगों ने एनएच-27 को जाम कर दिया. डीएम-एसपी आवास के पास सड़क जाम कर वरीय अधिकारी को बुलाने की मांग करने लगे. घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों और लोगों को समझाया. मृतक सावन के पिता ई-रिक्शा चलाकर परिवार चलाते हैं. पिता की मानें तो छात्र सावन कुमार की उम्र 19 साल के आसपास है और वह बीए का छात्र था. सावन के पिता ने कहा कि ऐसी घटना किसी के साथ न हो जो उनके साथ हुई है. वह ई-रिक्शा चलाते हैं और किसी के पास पैसा नहीं रहता था तो भी उसे पहुंचा देते थे. एसपी स्वर्ण प्रभात ने इस मामले में एसआईटी गठित कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिए जाने की बात कही है. हालांकि हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

सुल्तानगंज-अगुवानी गंगा पुल और फोरलेन तक अप्रोच रोड कब तक बन जाएगा?

सुल्तानगंज, एजेंसी। सुलतानगंज-अगुवानी घाट गंगा ब्रिज का स्ट्रक्चर ध्वस्त होने के बाद पुल निर्माण निगम निगम इसको बनाकर तैयार करने की कोई डेडलाइन तय नहीं की है. इससे यह है कि इसे बनाने में एजेंसी की मर्जी चलेगी. दरअसल, इसका डेडलाइन 09 बार फेल हो चुका है. पुल गिरने के बाद कोई डेडलाइन तय नहीं किया है. गंगा नदी पर लगभग 1000 करोड़ से बन रहा पुल चार जून को रेत की दीवार की तरह ध्वस्त हो गया था.

फोरलेन पुल निर्माण के दौरान दूसरी बार ढहा था. हादसे की वजह से नवीं डेडलाइन फेल हुई थी. पुल निर्माण निगम ने पहले दिसंबर, 2022, फिर मार्च 2023 और आखिरकार जून 2023 तक समय सीमा बढ़ायी थी. 2016 से काम शुरू हुआ. तब निगम ने कहा था कि मार्च 2019 तक पुल का काम पूरा कर लिया जायेगा, लेकिन उस वक्त तक 25 फीसदी काम भी सही से नहीं हो पाया था.

अगुवानी गंगा घाट से सुलतानगंज ब्रिज तक फोरलेन अप्रोच रोड का निर्माण समय से पूरा नहीं हो सका. इसका चार जुलाई का डेडलाइन फेल हो गया है. इस फोरलेन का काम कम और बहानेबाजी होती रही, जिस वजह से यह दो साल में नहीं बन सका. इधर, डेडलाइन फेल होने के बाद पुल निर्माण निगम अब काम पूरा करने की संभावित तिथि तय करने में जुटी है.

अप्रोच रोड का निर्माण पहले अगुवानी पुल से सुलतानगंज तक कराने का था. मुंगेर-मिर्जाचौकी के बीच ग्रीनफील्ड फोरलेन निर्माण को मंजूरी मिली, तो अप्रोच रोड का विस्तारीकरण ग्रीनफील्ड फोरलेन तक कराने का निर्णय लिया और एजेंसी बहाल कर बनाने की जिम्मेदारी सौंपी. लेकिन, इसका काम देरी से शुरू हुआ. परिणामस्वरूप दो साल में पूरा नहीं हो सका.

सुलतानगंज अगुवानी घाट पुल से लेकर ग्रीनफील्ड के बीच 440 मीटर तक फोरलेन अप्रोच रोड पर करीब 128.64 करोड़ खर्च किया जा रहा है. लेकिन, कार्य की प्रगति धीमी है. ऐसा प्रतीत हो रहा कि इस अप्रोच रोड के कार्यों की मॉनीटरिंग सही से नहीं हो रही है. अन्यथा, यह समय से बनकर तैयार हो गया रहता.

अगुवानी घाट पुल के अप्रोच रोड का निर्माण एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल से दो साल बाद काम शुरू हुआ था. इसका काम 05 जुलाई, 2022 को प्रारंभ हुआ और एजेंसी के लिए 04 जुलाई 2024 को कार्य पूर्ण करना अनिवार्य था.

फोरलेन अप्रोच रोड बनाने के लिए अगर कार्य एजेंसी को टाइम एक्सटेंशन मिला, तो राशि भी काटी जायेगी. यानी, टाइम एक्सटेंशन बिल में कटौती की जायेगी.

ककोलत जलप्रपात पहुंच सौंदर्यीकरण का आनंद उठा रहे हैं सैलानी

नवादा, एजेंसी। नवादा जिले के गोविंदपुर प्रखंड के ककोलत जलप्रपात में रविवार को सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ी. सैकड़ों की संख्या में सैलानियों व कांवड़ियों ने ककोलत शीतल जलप्रपात पहुंचकर आनंद उठाएं. लोगों ने कुंड में स्नान करने के बाद ककोलत जलप्रपात सौंदर्यीकरण का भी आनंद लिया.ककोलत जलप्रपात के खुल जाने से सैलानियों में काफी खुशी देखी जा रही है. रविवार को स्नान करने पहुंचे कई पर्यटकों ने कहा कि ककोलत बहुत दिनों से बंद था. जिससे यहां आने पर लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ जाता था. अब ककोलत खुल जाने से सैलानियों को लौटना नहीं पड़ेगा. आज हमलोग इस जलप्रपात का आनंद उठा रहे हैं. इसका सौंदर्यीकरण लोगों को आकर्षित कर रहा है, पहले से बहुत अच्छा दिख रहा है.बता दें कि ककोलत जलप्रपात में महिला एवं पुरुषों के नहाने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है. महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, कैफेटेरिया, प्रशासनिक भवन, अमानती रूम, शौचालय, पार्किंग आदि की व्यवस्था की गई

है. सैलानियों ने कहा कि पहले से काफी अच्छी व्यवस्था हो गई है.सैलानियों के प्रवेश के लिए प्रवेश द्वार के पास टिकट काउंटर बनाया गया है. लोगों को टिकट काउंटर से टिकट लेने के बाद गेट के अंदर प्रवेश दिया जाता है. इसके लिए मेन गेट पर वन विभाग कर्मी को तैनात किया गया है. शनिवार व रविवार को टिकट शुल्क के रूप में 20 रुपया लिया जाता है. प्रति व्यक्ति 10 रुपया निर्धारित किया गया है.वाहन पार्किंग के लिए मोटरसाइकिल का 20 रुपए, तीन पहिया वाहन का 30 रुपए, चार पहिया वाहन 50 रुपए और बस तथा भारी वाहन का 100 रुपए निर्धारित किया गया है. उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन प्रत्येक बुधवार को ककोलत बंद रहेगा. सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुबह 7ः00 बजे से संध्या 4ः00 बजे तक ही टिकट काउंटर खुला रहेगा और संध्या 5ः00 बजे तक ककोलत परिसर से सैलानियों को खाली करवा दिया जाएगा.

सीएम नीतीश कुमार के दफ्तर पर आतंकी हमले की चेतावनी का क्या है सच? जांच एजेंसियां हुईं सक्रिय

पटना, एजेंसी। पटना सीएमओ यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी पिछले दिनों ईमेल के जरिये दी गयी थी. अलकायदा संगठन के नाम से ये धमकी दी गयी थी जिसने प्रशासन के भी रोंगटे खड़े कर दिये हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच भी शुरू कर दी गयी है. सीएम दफ्तर पर हमले की चेतावनी किसी शरारती तत्व की करतूत है या फिर किसी साजिश को अंजाम देने की कहीं तैयारी चल रही है, इसका पता लगाया जा रहा है. अब मामले की जांच साइबर सेल ने शुरू कर दी है.इओयू और एटीएस भी इस जांच में मदद कर रही है.

पटना में स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के मामले की जांच साइबर सेल ने शुरू कर दी है. इस जांच में मदद आर्थिक अपराध इकाई और आतंकवाद निरोधक दस्ता भी कर रहा है. पुलिस का दावा है कि किसी शरारती तत्व का यह कारनामा है. बता दें कि अलकायदा ग्रुप ने इ-मेल आइडी से मेल कर बम से उड़ाने की धमकी दी थी. यह इ-मेल सीएमओ के सरकारी मेल आइडी पर 16 जुलाई को आया था. सीएमओ को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए सचिवालय थानेदार संजीव कुमार के बयान पर केस दर्ज किया गया था. सूत्रों के अनुसार मामले की जांच कर रही एजेंसी ने गुगल को पत्राचार करके डिटेल मांगा है. जांच के बाद दो अगस्त को सचिवालय थाना में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस 2023

की धारा 351 (4), (3) और 66 (एफ) आइटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया. गौरतलब है कि वीवीआईपी जगहों को उड़ाने की इस तरह की धमकी पहले भी मिलती रही है. पटना समेत देशभर के दर्जन भर एयरपोर्ट पर बम से हमला करके उड़ाने की धमकी भरा मेल सीआइएसएफ को मिला था. वहीं पटना राजभवन कार्यालय समेत देश के कई महत्वपूर्ण जगहों को उड़ाने की भी धमकी मिल चुकी है. पटना हाईकोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी किसी ने इमेल से भेजी थी जबकि पटना जंक्शन पर भी बम से हमले की धमकी पूर्व में मिल चुकी है. इन तमाम जगहों पर हमले की धमकी की जब जांच की गयी तो इसकी वास्तविकता बिल्कुल अलग ही मिली है.

वैशाली में हाई टेंशन तार की चपेट में आई डीजे गाड़ी, 9 कांवरियों की मौत

हाजीपुर, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर में रविवार की रात बड़ा हादसा हो गया. पहलेजा स्थित गंगा नदी से जल लेकर आ रहे 9 कांवरियों की झुलसकर मौत हो गई. कांवरियों का जत्था पहलेजा घाट से गंगाजल भरने और बाबा हरिहरनाथ का जलाभिषेक करने के लिए निकला था. इसी बीच औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में (नाइपर के सामने) रविवार की रात करीब 11.40 बजे हाई-वोल्टेज तार की चपेट में आने से 9 कांवरियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए. हादसे में मृत कांवरिए जेठुई गांव के रहने वाले हैं.

हादसा तब हुआ जब कांवरियों का जुलूस गांव से करीब 500 मीटर दूर बढ़ा होगा. जुलूस के साथ एक ट्रॉली पर डीजे और साउंड सिस्टम सेट किया हुआ था, जो 11 हजार वोल्ट के तार से सट गया. इससे पूरी ट्रॉली में 11 हजार वोल्ट का करंट फैल गया और इसकी चपेट में जो आये वो मारे गये. एक एक कर करंट लगने से 9 कांवरियों की मौके पर ही मौत हो गई. छह झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गए. उनका इलाज कराया जा रहा है. बताया जा रहा है कि स्थिति ठीक नहीं है. मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है.

इस मामले में हाजीपुर एसडीपीओ ओम प्रकाश ने बताया कि डीजे ट्रा ली में

बांधकर ले जाने के दौरान 11 हजार वोल्ट के तार में माइक सट गया, जिससे ट्राली में करंट फैल गया और आठ लोगों की मौके पर मौत हो गई. इस हादसे में झुलसे लोगों में दो ज्यादा गंभीर हैं. कांवरियों का जत्था हर साल पहलेजा घाट से जल भरकर बाबा हरिहरनाथ पर जलाभिषेक के लिए जाता है. आक्रोशित लोगों का कहना था कि जैसे ही तार में डीजे सटा और करंट लगा, बिजली विभाग को फोन किया गया, लेकिन फोन नहीं उठाया. यदि समय पर फोन उठ जाते तो करंट की चपेट में आने वाले युवकों को बचाया जा सकता था.

हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग के अफसरों और कर्मियों को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर हंगामा किया और हाजीपुर-जंदाहा मार्ग को जामकर कर दिया. मौके पर पांच थानों की पुलिस और दमकल मौजूद थी. रात करीब पौने दो बजे समझाने-बुझाने के बाद ग्रामीण माने, फिर सभी आठ शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया. कई शव बुरी तरह झुलस गए हैं. अहले सुबह तक मौके पर पांच थानों की पुलिस और दमकल मौजूद थी. एसडीओ रामबाबू बैठा और एसडीपीओ ओमप्रकाश लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन आक्रोशित लोग एनएच-322 हाजीपुर-जंदाहा मार्ग को जामकर बैठे हुए थे। एसडीपीओ और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने-बुझाने के प्रयास में जुट गई, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं थे.

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

स्वच्छ वातावरण में संपन्न करायी जाएगी सिपाही नियुक्ति की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा: डीएम

बीएनएम। मोतिहारी

अध्यक्ष, केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में विज्ञापन संख्या 01/2023 अंतर्गत बिहार पुलिस संगठन में 'सिपाही' के पद पर नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा दिनांक 7.8.2024 (बुधवार) एवं दिनांक 11.8.24 (रविवार) को पूर्वी चंपारण जिला में 19 परीक्षा केंद्रों पर एकल पाली में मध्याह्न 12:00 से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित की गई है। इस परीक्षा में 07 अगस्त को कुल 12150 अभ्यर्थी एवं 11 अगस्त को 12150 अभ्यर्थी एवं परीक्षा में भाग लेंगे। लिखित प्रतियोगिता परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार रहित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शहर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग में संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा कहा गया कि परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों को सुबह 09:30 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति रहेगी। परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पहले अर्थात 11:00 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केन्द्रों पर विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी को परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केन्द्रों के आसपास दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी सह केंद्र प्रेक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है जो स्वच्छ वातावरण में परीक्षा सम्पन्न करायेंगे तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़ न लगे इसे सुनिश्चित करायेगें। इसके अतिरिक्त गश्ती दल दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है जो विधि व्यवस्था सहित शहरी क्षेत्र में फोटो स्टेट की दुकान पर विशेष नजर रखेंगे तथा परीक्षा केन्द्र के निकट के फोटो स्टेट के दुकानों को बंद करा देगें। डीएम ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 08:00 बजे पूर्वा. तक अपनी प्रतिनियुक्ति स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा केन्द के भीतर परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनाधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की तलाशी निश्चित रूप से करा ली जाय। कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाईल, ब्लूटूथ, पेजर, घड़ी आदि लेकर नहीं जायेगा। परीक्षा में कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने एवं आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल जैमर एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने का आदेश निर्गत है। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी। सभी केन्द्राधिक्षकों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्ष में बैठने सम्बधी सीट प्लान की एक प्रति मुख्य प्रवेश द्वार पर तथा एक प्रति सूचना पट पर लगाना सुनिश्चित करेगें।परीक्षा केन्द्र पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, वीक्षक के पास मोबाईल फोन नहीं रहेगा। उड़नदस्ता दल के पदाधिकारी भी मोबाईल लेकर परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश नहीं करेंगे। मीडिया कर्मियों के परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। परीक्षा के दिन सुबह से परीक्षा की समाप्ति तक 06252- 242418 पर जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मोतिहारी, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय प्रशाखा, जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा भी सभी को संबोधित किया गया।

जिलाधिकारी ने जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में सोमवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जीबी बीबी मिशन वात्सल्य अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना के तहत 171 नए लाभार्थियों को स्वीकृति दी गई। जिला प्रशासन और जिला बाल की संरक्षण ईकाई के संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक कुल 296 बच्चों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। उक्त के तहत पूर्व से 125 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत 3 वर्ष तक या 18 वर्ष पूर्ण होने तक(जो पहले हो) प्रत्येक लाभार्थी को 4000 रुपया मासिक 3 वर्ष तक देय है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया की मिशन वात्सल्य योजना का उद्देश्य बच्चों को उनकी सामाजिक एवम सांस्कृतिक परिवेश में रहने और बढ़ने का अवसर प्रदान करता है,ताकि उनका विस्थापन रोका जा सके तथा सभी को समान अवसर प्रदान हो सके। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जायेगी। उक्त चयनित 171 लाभुको में से 139 लाभुको को पात्रता पूर्ण होने के कारण स्वीकृति तथा शेष को सशर्त स्वीकृति देते हुए 15 दिनों के अंदर कागजात समर्पित करने का निर्देश दिया गया। राज्य सरकार एवम जिला प्रशासन इस स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम के तहत इच्छुक बच्चों की संख्या अधिकतम करने के लिए जोर शोर से प्रयास कर रही है ताकि बच्चे परिवार और समुदाय के साथ सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सके। इस अवसर पर सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई,बाल संरक्षण पदाधिकारी , विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान समन्वयक,बाल कल्याण समिति के सदस्य इत्यादि मौजूद थे।

छौड़ादानो के कुदरकट पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध दर्ज कराई गई प्राथमिकी

बीएनएम। मोतिहारी

जिला सहकारिता पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी प्रखंड छौड़ादानो के द्वारा कुदरकट पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध धान अधिप्राप्ति में अनियमितता बरतने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिहार राज्य खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में कुदरकट पैक्स अध्यक्ष द्वारा कुल 469.70 एमटी धान क्रय किया गया था जिसका समतुल्य सीएमआर 319.4 एमटी बिहार राज्य खाद्य निगम मोतिहारी को आपूर्ति की जानी थी, परंतु कुदरकट पैक्स द्वारा अभी तक मात्र 174 एमटी सीएमआर राज्य खाद्य निगम मोतिहारी को आपूर्ति की गई। अभी भी 145.4 एमटी सीएमआर का आपूर्ति करना अवशेष बचा हुआ है। विगत तीन माह से कुदरकट पैक्स अध्यक्ष को पत्राचार, दूरभाष एवं व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर सहकारिता प्रसार पदाधिकारी के द्वारा सीएमआर आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया लेकिन पैक्स अध्यक्ष के द्वारा लापरवाही भारती गई। अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल के द्वारा 27 जुलाई, 29 जुलाई एवं 31 जुलाई को समीक्षात्मक बैठक में उपस्थित होने के लिए पैक्स अध्यक्ष को निर्देशित किया गया परंतु पैक्स अध्यक्ष इन बैठकों में उपस्थित नहीं हुए। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल के द्वारा सहकारिता प्रसार पदाधिकारी प्रखंड छौडादानों को उक्त पैक्स के भौतिक जांच का निर्देश दिया गया। सहकारिता प्रसार पदाधिकारी द्वारा किए गए भौतिक जांच में पैक्स गोदाम में धान की मात्रा शून्य पाई गई। जबकि पैक्स गोदाम में 258.575 एमटी धान होना चाहिए था। अपनी जांच प्रतिवेदन में सहकारिता प्रसार पदाधिकारी प्रखंड छौडादानो के द्वारा पैक्स अध्यक्ष पर 258.575 एमटी धान के गबन का प्रतिवेदन दिया गया है जिसकी कुल राशि लगभग 5644692 रुपया होता है बताई गई है। सरकारी राशि के गबन को बनाकर कुदरकट पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध जिला सहकारिता पदाधिकारी पूर्वी चंपारण के निर्देश के आलोक में प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी छौड़ादानो के द्वारा थाना में आज प्राथमिक की दर्ज कराई गई है।

जागरूकता के लिए स्तनपान सप्ताह के अवसर पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से दिलाई जा रही शपथ और किया जा रहा जागरूक

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के सदर प्रखंड के रूलही पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-83, 84, 85 और 165 में वार्ड सदस्य जानकी देवी और किशोरी देवी के नेतृत्व में सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी3) संस्था के सहयोग से विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित कर महिलाओं को स्तनपान कराने के लिए जागरूक किया गया। इसमें धात्री माताओं सहित अन्य महिलाओं को शपथ दिलाई गई कि हम सभी स्तनपान कराएंगे, डिब्बा बंद दूध का सेवन बच्चों को नहीं कराएंगे, 02 वर्ष तक के बच्चे को स्तनपान कराएंगे। वार्ड सदस्य जानकी देवी ने बताया कि हमें सभी कामों के साथ-साथ इस तरीके के समाजिक कार्यों में भी भाग लेकर समुदाय को जागरूक करना होगा। डिब्बा दूध छोड़कर कम से कम छह माह तक बच्चों को मां का दूध पिलाना होगा।

पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से शपथ भी दिलाया गया: रूलही पंचायत के मुखिया मदन मोहन दास ने बताया गया कि आज जरूरत है डिब्बा के दूध को बंद कर मां का दूध पिलाने के प्रति जागरूकता हो। मुखिया ने अपनी पंचायत के धात्री महिलाओं को शपथ दिलाया और पंचायत में स्तनपान के लिए प्रेरित किया।

माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है: शिशु के जन्म के बाद बच्चे को सिर्फ माँ का पीला गाढ़ा दूध पिलाना चाहिए। इससे बच्चे को कई प्रकार का विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन मिलता है। ये बातें सी3 के डीसी ने कहीं। उन्होंने बताया कि बच्चे को स्तनपान कराना काफी महत्वपूर्ण है। इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक और मानसिक क्षमता का विकास होता है, साथ ही भरपूर पोषण भी मिलता है। इस कार्यक्रम में सी3 के जिला समन्वयक आदित्य राज, प्रखंड समन्वयक सारिका कुमारी, एएनएम शांति देवी, सेविका सुनीता देवी, सावित्री देवी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा गंभीर

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा रक्सौल मुख्य मार्ग पर बड़हरवा गांव के समीप रविवार देर रात ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक और घायल दोनों पश्चिमी चम्पारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के परसा डुमरिया के बताये गये है। घटना में बाइक चला रहे समशुल मियां की मौत घटना स्थल पर हीं हो गई, जबकि घायल अजमुल्लाह मियां का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है। सड़क किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर में तेज गति से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे घटना स्थल पर हीं एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा। इस बाबत थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार, 34 मोबाइल एवं एक लैपटॉप बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थाना पुलिस ने बीती देर रात चेकिंग के दौरान खढवा पुल के समीप राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर चोरी के 34 मोबाइल एवं एक लैपटॉप के साथ एक अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने इसके पास से छह मोबाइल सिम भी बरामद किया है।पकड़ा गया चोर आदापुर थाना क्षेत्र का निजामुल हक बताया गया है। सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पकड़ा गया शातिर चोर ने पूछताछ के क्रम में बताया कि दिल्ली से मोबाइल चोरी कर बिहार व नेपाल में बेचने का काम करता है। इसका अपराधिक रिकार्ड खंगालने के बाद जानकारी मिला है कि इसके उपर दिल्ली में चोरी के कई मामले दर्ज है और दिल्ली पुलिस इसे पकड़ने के लिए दबिश भी दे चुकी है लेकिन असफल रही। फिलहाल इसके उपर बंजरिया थाना में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

छात्रो ने ली समेकित कृषि की जानकारी

बीएनएम। मोतिहारी

पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय पिपराकोठी के छात्रों ने उन्मुखीकरण सह ग्रामीण क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के तहत केवीके परसौनी परिसर में समेकित कृषि प्रणाली और प्राकृतिक खेती के साथ और वानिकी के बारीकियों का अवलोकन किया।इस दौरान केन्द्र प्रमुख डॉ ए के सिंह के नेतृत्व में डॉ आरबी शर्मा, डॉ आशीष राय और डॉ जीर विनायक के साथ छात्रों की टीम वानिकी कार्य का अनुभव प्राप्त किया।साथ ही,छात्रों ने परसौनी पंचायत के भटोली गांव के 25 किसानों का सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण भी किया। छात्रों ने केवीके परसौनी के परिसर में समेकित कृषि प्रणाली और प्राकृतिक खेती के तहत लगे पेड़-पौधों का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने मेड़-क्यारी तकनीक के माध्यम से अरहर की खेती को नीलगाय से कैसे बचाया जाए और अधिकतम उपज कैसे प्राप्त की जाए। इसकी जानकारी भी प्राप्त की। छात्रों ने गांव में रहने वाले किसानों के साथ मिलकर बांस, सागवान, सेमल आदि वृक्षों के वृद्धि, विकास के बारे में भी अध्ययन किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सावन की तीसरी सोमवारी को सोमेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने किया बाबा का जलाभिषेक

बीएनएम। अरेराज

सावन का महीना बड़ा ही पावन माना गया है। श्रावणी महीने में श्रद्धालु बाबा भोले के रंग में रंग चुके हैं। जैसे-जैसे सावन का महीना अपने अंत की ओर बढ़ रहा है। वैसे-वैसे अरेराज स्थित सोमेश्वरनाथ महादेव के मंदिर में श्रद्धालुओं का जन सैलाब बढ़ता ही जा रहा है। सावन की तीसरी सोमवारी को लेकर रविवार को देर शाम से ही सोमेश्वरनाथ महादेव की नगरी अरेराज में श्रद्धालुओं का जत्था धीरे-धीरे पहुंचने लगा। रात्रि 12 बजे से ही कतार लगभग एक किलोमीटर तक लग गई। सोमवार की सुबह लगभग 2 बजे मंदिर प्रबंधन, महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि, स्थानीय प्रशासन की उपस्थिति में प्रथम पूजन के बाद मंदिर का पट्ट श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन के लिए खोल दिया गया। मंदिर का पट्ट खुलते ही पूरे मंदिर क्षेत्र में ॐ नमः शिवाय और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजित हो गया। मंदिर प्रबंधन और प्रशासन पूरी तरह मुश्तैदी के साथ निगरानी करता रहा। सावन मास के तीसरी सोमवारी पर देर रात्रि से ही भिन्न भिन्न नदियों से जलभरी कर श्रद्धालुओं का जत्था पहुचने लगा था। श्रद्धालु हाथ मे गंगाजल, बेलपत्र, कमलपुष्प लिए "हाथी न घोड़ा न कौनो सवारी, पैदल ही आएम हम दुआरी ए भोलेनाथ" गानों पर झूमते नाचते शिवनगरी पहुच कतारबद्ध होने लगे। श्रद्धालु बोलबम के जयकारे के साथ जलाभिषेक कर मंगलकामना में जुट गए। महिला व पुरुष अलग-अलग कतारबद्ध होकर अलग अलग अरघा के माध्यम से जलाभिषेक कर पूजा अर्चना में जुट गए। देर शाम तक लगभग ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा सोमेश्वरनाथ का जलाभिषेक किया। इस सोमवारी पर प्रशासनिक व्यवस्था इतनी मुकम्मल थी कि बिना कतारबद्ध हुए कोई भी व्यक्ति मंदिर में जलाभिषेक नही कर सकते थे। प्रवेश से निकास के

साथ साथ चप्पे-चप्पे पर दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी व दण्डाधिकारी मुस्तैद रहे। दिन बढ़ने के साथ साथ भक्तों की भीड़ जनसैलाब में बदल गयी। पुलिस-प्रशासन द्वारा शहर में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुष्ट रखने के कारण श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नही हुआ। श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर देर रात्रि से ही दूधिया प्रकाश से जगमग रहा। मंदिर से लेकर पड़ाव स्थल साफ सफाई, बिलीचिंग छिड़काव, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य शिविर सहित बेहतर व्यवस्था प्रशासन व नगर पंचायत द्वारा किया गया था। एसडीएम अरुण कुमार, डीएसपी रंजन कुमार, सीओ उदय प्रताप सिंह, बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित, अरेराज थानाध्यक्ष विभा कुमारी देर रात्रि से ही दिनभर मंदिर परिसर से लेकर शहर का भ्रमण कर दण्डाधिकारियों को निर्देश कर भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे रहे। एनसीसी कैडेट्स भी श्रद्धालुओं की सेवा में जी जान से लगे रहे। मंदिर महंत सह महामंडलेश्वर रविशंकर गिरि दर्जनों मंदिर कर्मियों के साथ देर रात्रि से ही भक्तों की सेवा में जुटे रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत

बीएनएम। रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के सकरार मुसहरी गांव मे स्पर्शघात से एक नवयुवक की मौत हो गई। इस युवक की पहचान स्वर्गीय रामचंद्र गोस्वामी के पुत्र बागेश्वर गोस्वामी के रूप मे हुई है। इस घटना के संबंध में उनकी पत्नी ने रामगढ़वा थाना में आवश्यक कार्रवाई हेतु एक आवेदन दिया है। आवेदन में बताया गया है कि सोमवार को लगभग 12:00 बजे उनके पति बागेश्वर गोस्वामी छत पर चढ़े हुए थे। छत से सटे बिजली का पोल है। पोल में किसी कारण वस करंट आ चुका था। जिसकी चपेट मे वह आ गए। काफी देर बाद भी जब छत से नीचे नहीं आए तो जाकर देखा तो वह पोल से सटे हुए थे। इसको देखकर उनकी पत्नी ने शोर मचाया तो स्थानीय कई लोग जमा हो गए और बांस से इनका संपर्क पोल से हटाया गया। इसके बाद इनको वे लोग डंकन अस्पताल रक्सौल ले गए। जहां डॉक्टर ने इनको मृत घोषित कर दिया। युवक के हृदय विदारक मौत से पूरे इलाके में मातम है। घटना की सूचना पर प्रखंड प्रमुख पति विशाल कुमार, उप प्रमुख अरविंद पांडेय, पूर्व मुखिया राजीव श्रीवास्तव, समिति सदस्य अवध पासवान, मोतीलाल राम इत्यादि कई गणमान्य लोग वहां जाकर मृत परिवार को सांत्वना दिया। इन लोगों ने बिजली विभाग से उचित मुआवजा दिलवाने का आश्वासन भी दिया।इसकी सूचना रामगढ़वा थाना व बिजली विभाग को इनलोगों ने दी है। पुलिस मृत के शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज रही है। बता दें कि बागेश्वर गोस्वामी की समाज मे ब्यवहार कुशल युवक के रूप मे थी। इनको अभी नाबालिग बच्चे हैं। एक बालिग पुत्री की इन्होंने शादी तय कर रखी थी। इनके मरने से पूरा परिवार के साथ गांव सदमे मे है।

नेपाल निर्मित शराब के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार, जेल

बीएनएम। रक्सौल। रक्सौल में नेपाल निर्मित शराब की खेप को लेकर आने के क्रम में आबकारी थाना रक्सौल के द्वारा दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी पुष्टि करते हुए आबकारी थाना रक्सौल इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नेपाल से भारत ले आने के क्रम में दो तस्करों को शराब सहित गिरफ्तार किया गया है। जिसमें बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंधिया गुमटी निवासी मोहर्रम मियां के पुत्र सलाउद्दीन मियां के रूप में की गई है जिसके पास से 48 लीटर नेपाली देसी शराब बरामद किया गया है, जो 160 बोतल के बराबर है। वही दूसरा व्यक्ति मौज निवासी नंदलाल दास के पुत्र धर्मेंद्र दास के रूप में की गई है जिसके पास से 500 एमएल का 60 पीस किंगफिशर बियर बरामद किया गया है। दो तस्करों को कागजी कार्यवाही करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सिवान रेलवे स्टेशन पर नशाखुरानी कांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। मुजफ्फरपुर : सिवान रेलवे स्टेशन पर नशाखुरानी कांड का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 4 अगस्त 2024 की है, जब सिवान रेलवे स्टेशन पर अभिषेक कुमार (20 वर्ष), निवासी पुरंदरपुर, थाना गोरियाकोठी, जिला सिवान, को एक अज्ञात व्यक्ति ने नशीला पदार्थ मिलाकर खाना खिलाया और उनका बैग चुरा लिया। बैग में एक मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, और कुछ नगदी थी। इस घटना के संबंध में सिवान रेल थाना में कांड संख्या 09/24 के तहत 6 जनवरी 2024 को धारा 328/379 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया। कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी अनुसंधान और छापेमारी के दौरान चोरी गए मोबाइल को बरामद करते हुए आरोपी राजेश कुमार, निवासी राघोपट्टी, थाना संगहा, जिला गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के दौरान अन्य मामलों में भी संलिप्तता की जांच की जा रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसे घटनाओं के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जनता दरबार कार्यक्रम में शामिल हुए जिलाधिकारी

- कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान
- जिलाधिकारी ने समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-75 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। शुक्रवार को जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया उनमें रम्भा देवी, उषा देवी, शमशीदा बेगम, कन्हैया लाल, कृष्णमोहन मिश्र, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार दास, मनमती देवी, बृजवंशी महतो, सुधा कुमारी, प्रदीप राम, मु0 हेवंती आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता विपिन कुमार यादव, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आबकारी थाना ने 2120 पीस प्रतिबंधित कफ सिरप किया बरामद

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल अनुमंडल के भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में आबकारी थाना के द्वारा भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया गया है, साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप का खेत जाने वाला है। जिसको लेकर सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें एक कार के अंदर 16 पेटी कार्टून में 2120 पीस कफ सिरप बरामद किया गया है। जो 212 लीटर के बराबर है, वही आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नाग रोड निवासी चुन्नू सिंह के पुत्र सचिन कुमार सिंह के रूप में की गई है। जिसको कागजी कार्रवाई करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हरसिद्धि पुलिस के लापरवाही उजागर, एक कांड में किया दो दो एफआईआर

- मामला उजागर होने पर अरेराज डीएसपी कर रहे है जांच
- अरेराज डीएसपी ने कहा, दोषी पाए जाने पर होगी करवाई
- स्पन्दना स्फूर्ति फाइनेंस बैंक के लोन ऑफिसर के आवेदन पर दोनो दर्ज है एफआईआर
- घटना 6 अप्रैल 2024 की है। लोन ऑफिसर ने आवेदन में कहा, 2.38 लाख की हुई छीनाझपटी

बीएनएम। हरसिद्धि

हरसिद्धि पुलिस की कार्यशैली चर्चा में बनी हुई है। कार्यशैली में लापरवाही उजागर हुई है। जिसका जांच भी शुरू हो गया है। घटना एक, लेकिन पुलिस ने दो दो एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामले के अनुसंधान के लिए दो अलग अलग पुलिस पदाधिकारी को जांच अधिकारी बनाया है। चर्चा है कि ऐसा कैसे हो गया। जो जांच के बाद पता चलेगा। स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंस बैंक के लोन ऑफिसर पश्चिम चंपारण जिले के बलथर थाना के खरसहवा गांव के सिरफल यादव के पुत्र अप्पू कुमार यादव ने थाना में आवेदन दिया कि वह ग्रामीण इलाके से ऋण की राशि वसूली कर झोला में रूपया लेकर आ रहा था। 6 अप्रैल 2024 को घीउवाढार के समीप झोला बाइक के हैंडल में लगा पेशाब करने लगा। पेशाब कर लौटा तो झोला गायब थी। अज्ञात के विरुद्ध मामला तत्कालीन थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने 29 अप्रैल 2024 को दर्ज कर अनुसंधान के लिए दारोगा विभा कुमारी को जांचकर्ता बनाया। फिर

वही लोन ऑफिसर के आवेदन पर उसी घटना में थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने 30 जून को एफआईआर दर्ज कर लिया। अनुसंधान करने की जिम्मेवारी दारोगा उगन पासवान को दिया। महत्वपूर्ण बात है कि वही लोन ऑफिसर अप्पू है जो बैंक डकैती का मुख्य सरगना है। जिसे पुलिस जेल भेजी है। यह घटना पुलिस के कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। मामले में अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि विधि की भूल है। मामले की जांच की जा रही है। मामले में जो भी दोषी होगा करवाई की जाएगी। वहीं वर्तमान थाना अध्यक्ष निर्भय कुमार ने बताया कि घटना के बाद पूर्व थाना अध्यक्ष नवीन कुमार के समय में बैंक ऑफिसर अप्पू यादव ने एक आवेदन लिख दिया था, जिसमें 2,38,000 (दो लाख अड़तीस हजार) की छीनाझपटी का मामला सामने आया था। उस पर थाना अध्यक्ष नवीन कुमार के द्वारा 29.04.2024 को प्राथमिक की दर्ज कर दी गई, फिर अप्पू यादव के द्वारा थाने में आकर बताया गया कि मेरे साथ रुपया की छीनतई हुई है, लेकिन आवेदन देने के बाद भी प्राथमिक दर्ज नहीं हुई है, फिर मैं 30,06 2024 को प्राथमिक की दर्ज कर दी। जिसमें विविध धारा लगाया गया। उन्होंने बताया कि अगर एक ही कांड में दो प्राथमिक की दर्ज हो चुकी है तो दोनों एक साथ अटैच कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैंक लूट का सरगना ऑफिसर अप्पू यादव के द्वारा एक ही कांड में दो बार प्राथमिक की दर्ज कराई गई। उसके बाद सभी बैंक के स्टाफ को बुलाकर अप्पू यादव को बुलाया गया और उसको नसीहत दी गई।

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

न्याय से आशा एवं अहसास जगाते चन्द्रचूड़

ललित गर्ग

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' लेकिन प्रधान न्यायाधीश के अनुसार लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? दुर्भाग्य से यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने त्रस्त करने वाली न्याय प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा कि यह स्थिति हम न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यदि इस समस्या का निदान नहीं होता तो फिर एक कटु सच्चाई बताने का क्या लाभ? जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया है तो न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं वहीं अपनी बेबाक एवं सुधारमूलक टिप्पणियों से आम जनता की सराहना के पात्र बनते रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकारा है कि कानून की इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है।

उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे-बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है, लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। इनमें से अनेक मामले ऐसे हैं, जो दशकों से लंबित हैं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दशकों पुराने कई मामले लंबित हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश-निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल-सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी। इसके अलावा यह भी आवश्यक है कि सरकारें मुकदमेबाजी से बाज आएं, क्योंकि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो वे खुद हैं। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। जनता समस्याओं का उल्लेख नहीं, बल्कि उनका समाधान चाहती है। इससे इनकार नहीं कि अपने देश में आबादी के अनुपात में न्यायालयों और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या नहीं है और यह संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजे वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

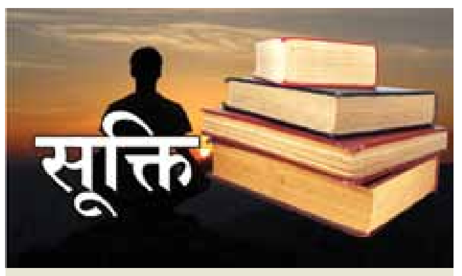

बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की गलती से सीखता है।
पी सायरस

विफलता का मौसम सफलता के बीज बोने का सर्वश्रेष्ठ समय है।
परमहंस योगानंद

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि दोइजमंगलवासरे, मघा नक्षत्रे, वरीयान योगे, कौलव करणे, सिंह की चंद्रमा, मु. सफर 2 हिजरीसन 1446 धर्म सम्राट स्वामी की जयंती तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, एमबीए व एमसीए करने वाला धनी होगा।
मेष :- यात्रा भय, कष्ट, व्यापार बाधा, लाभ, पारिवारिक समस्या उलझती ही रहेगी।
वृष :- शत्रुभय, रोग, स्वजन सुख, लाभ, शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता, प्रगति का योग है।
मिथुन :- वाहन भय, यात्रा कष्ट, हानि, अस्थिरता, अशांति का वातावरण रहेगा, ध्यान अवश्य रखें।
कर्क :- सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, राजकार्य, मामले-मुकदमें में स्थिति कष्टप्रद रहेगी।
सिंह :- शरीर कष्ट, अपव्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार के कार्य अवश्य होंगे।
कन्या :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ अर्थ लाभ अवश्य होगा।
तुला :- यात्रा से हानि, राजलाभ, शरीर कष्ट, खर्च की यात्रा कष्टदायक होगी।
वृश्चिक :- कार्यवृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, व्यापार में सुधार होगा, खर्च होगा।
धनु :- अल्प लाभ, चोर-अग्नि भय, मानसिक परेशानी, अपवाद, उलझन का सामना करना पड़ेगा।
मकर :- शत्रु से हानि, अपव्यय, शारीरिक सुख में कमी, कभी-कभी कुछ व्यवस्था तंग करेगी।
कुम्भ :- शुभ व्यय, संतान सुख, कार्य में सफलता, उत्साह की वृद्धि होगी, रुके कार्य बन जायेंगे।
मीन :- पदोन्नति, राजभय, न्याय लाभ, धन हानि, अधिकारियों से मन-मुटाव अवश्य बनेगा।

(ग्वालियर) क्या सुपर सीएम बनना चाहते हैं सिंधिया ?

राकेश अचल

केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों फर्राटे भर रहे है। ग्वालियर-चंबल समभाग के वे पहले की तरह एक छत्र नेता बन गए हैं ,क्योंकि अब क्षेत्र में उनका कोई प्रतिद्वंदी केंद्र की राजनीति में नहीं है । 2024 के आम चुनाव से पहले नरेंद्र सिंह तोमर उनके लिए एक चुनौती थे,लेकिन अब भाजपा ने उन्हें विधानसभा का चुनाव लड़वाकर उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बना दिया है । अब मजबूरी में ग्वालियर-चंबल संभाग के भाजपा नेताओं और कार्यर्ताओं को सिंधिया के दरबार में हाजरी बजाना पड़ रही है।

केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे ,भाजपा में हस्माइल होते ही पार्टी है कमान ने उन्हें न केवल राज्यसभा भेजा बल्कि केंद्रीय मंत्री भी बना दिया था ,लेकिन उनके सामने ग्वालियर के ही नरेंद्र सिंह तोमर थे । वे भी केंद्रीय मंत्री थे ,इसलिए केंद्र में विकास का श्रेय लेने की एक अघोषित दौड़ दोनों के बीच रहती थी। पार्टी कार्यकर्ता भी दो गुटों में बंटे हुए थे। जो सामंतवाद के विरोधी थे वे नव सामंतवाद के प्रतीक बने नरेंद्र सिंह तोमर के साथ खड़े होना पसंद करते थे। लेकिन अब आम चुनाव के बाद परिदृश्य बदल गया है। अब ग्वालियर -चंबल संभाग के लिए सिंधिया सुपर सीएम की हैसियत से सियासत कर रहे हैं। आपको याद होगा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में इस समय मध्य प्रदेश से पांच सांसदों को केन्द्र में मंत्री बनाया गया है. इनमें शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक, सावित्री ठाकुर और दुर्गादास उईके शामिल हैं। इन पांचों में ज्योतिरादित्य सिंधिया सबसे वरिष्ठ हैं।वे पहली बार 2007 में केंद्रीय मंत्री बने थे । सिंधिया के मुकाबले शिवराज सिंह का संसदीय अनुभव हालाँकि ज्यादा है किन्तु केंद्र में वे पहली बार मंत्री बने हैं। उनसे पहले डॉ वीरेंद्र कुमार खटीक मंत्री बन चुके है। सावित्री ठाकुर और दुर्गादास उइके पहली बार मंत्री बने हैं। शिवराज सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया को छोड़ बाकी के तीन केंद्रीय मंत्रियों का आभामंडल और कार्यक्षेत्र सीमित है । केंद्रीय मंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने भी सिंधिया के क्षेत्र में दखल देने की हिम्मत नहीं दिखाई है। प्रदेश में डॉ मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अघोषित रूप से सुपर सीएम के रूप में उभरने की कोशिश कर रहे है। उनकी मार ग्वालियर -चंबल समभाग तक ही सीमित नहीं है ,वे उज्जैन, इंदौर और भोपाल तक मार कर रहे हैं। मालवा ,और विंध्य के जन प्रतिनिधियों को भी सिंधिया के यहां मुजरा करना पड़ रहा है क्योंकि इन क्षेत्रों से केंद्र में कोई नेता नहीं है। डॉ वीरेंद्र खटीक बुंदेलखंड से बाहर नहीं निकले। सावित्री और दुर्गादास को अभी केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाना है। ऐसे में अकेले ज्योतिरादित्य सिंधिया है जो सबकी जरूरत भी हैं और मजबूरी भी। हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आगरा-ग्वालियर छह लेन के राष्ट्रिय राजमार्ग की मंजूरी का श्रेय अकेले सिंधिया ने अपने खाते में दर्ज किया है। स्थानीय तीन अन्य सांसदों की इसमें कोई भूमिका नहीं गिनाई गयी । मुमकिन है कि हो भी नहीं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी कमोवेश सिंधिया की नयी हैसियत के प्रति नतमस्तक दिखाई दे रहे हैं। सिंधिया हालाँकि गुना के सांसद हैं किन्तु वे भिंड,मुरैना और ग्वालियर के सांसद की तरह भी काम कर रहे है। विकास कार्यों से संबंधित अनेक बैठकों में स्थानीय सांसदों को आमंत्रित तक नहीं किया जाता । नौकरशाही सिंधिया के इशारे के बिना पूरे संभाग में पत्ता भी नहीं हिला सकती। भाजपा में एक बार फिर से उभरी सिंधियाशाही का ग्वालियर -चंबल अंचल को कितना लाभ मिलेगा ये तो अभी कहना कठिन है लेकिन ग्वालियर को एक गांव से शहर बनाने में सिंधिया लगातार नाकाम रहे है। वे २००२ से सक्रिय राजनीति में हैं। केंद्रीय मंत्री भी है किन्तु वे न तो ग्वालियर में तीन दशक से लंबित रोप- वे बनने दे रहे हैं और न शहर को स्मार्ट बनने दे रहे है। स्मार्ट सिटी परियोजना का अधिकाँश पैसा जयविलास पैलेस की चार दीवारी के संधारण और महल से मांडरे की माता मंदिर तक राजपथ बनाने पर खर्च किया जा चुका है। ग्वालियर में पुनर्घनत्वीकरण की दो बड़ी परियोजनाएं बीस साल से अधूरी पड़ीं हैं । ग्वालियर प्रदेश का ऐसा अकेला शहर है जहां 500 करोड़ की लागत से सिंधिया ने हवाई अड्डा तो बनवा दिया किन्तु वे अपने शहर में नगर बस सेवा शुरू नहीं करा पाए।

मनु भाकर क्यों बन गयीं सभी खिलाड़ियों के लिए आदर्श

आर.के. सिन्हा

निशानेबाज मनु भाकर को अब सारा देश जानता है। पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहीं। उनके पेरिस ओलंपिक खेलों में अभूतपूर्व प्रदर्शन से सारा देश प्रसन्न है। मनु भाकर सिर्फ अचूक निशानची ही नहीं हैं। वो तो देश के अधिकतर खिलाड़ियों के लिए भी एक तरह से प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा पर भी हमेशा भरपूर ध्यान दिया। हरियाणा के झज्जर शहर की रहने वाली मनु भाकर ने 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड की परीक्षाओं में 90 पर्सेंट से अधिक अंक अर्जित किए। उसके बाद दिल्ली विश्वविद्लाय के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) से पालिटीकल साइँस आनर्स की डिग्री भी ली। एल० एस० आर० देश का चोटी का महिला कॉलेज माना जाता है। नोबल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू ची यू ने 1964 में इसी लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। मुन भाकर का लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ना इस बात की गवाही है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पर भी हमेशा फोकस रखा। इधर बीते कुछ सालों से हमारे अपने देश के बहुत सारे नामवर खिलाड़ियों ने स्कूल के बाद आगे की पढ़ाई नहीं की। ये कोई बहुत आदर्श स्थिति नहीं मानी जा सकती। आप कितने ही बड़े खिलाड़ी क्यों न हो जाएं, पर आप बेहतर इंसान और नागरिक तो ढंग से पढ़-लिखकर ही बनते हैं। महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी, क्रिकेटर अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर उन खेलों की दुनिया के शिखर नाम रहे हैं, जिन्होंने खेल के मैदान में जौहर दिखाते हुए अपनी पढ़ाई को नजरअंजाद नहीं किया। चुन्नी गोस्वामी और अजीत वाडेकर तो स्टेट बैंक में अहम पदों पर इसलिए पहुंचे , क्योंकि ; इनके पास सही डिग्रियां थीं। सुनील गावस्कर बीते पांच दशकों से सक्रिय हैं। पहले क्रिकेटर के रूप में और बाद के दशकों में बतौर लेखक और कमेंटेटर के। उनके पास क्रिकेट की गहरी समझ के अलावा शब्दों का भंडार भी है। वैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर नौकरी तो बहुत सारे खिलाड़ियों को मिल ही जाती हैं। माफ करें, कई कथित खिलाड़ियों को जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर भी नौकरियां मिलती रही हैं। यह भी सबको पता है। सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है। आप पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के अधिकतर खिलाड़ियों को देख लें। जावेद मियांदाद, इंजमाम उल हक, शोएब अख्तर जैसे मशहूर खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में भले ही बेहतरीन प्रदर्शन किए हों, पर वे जब बोलते हैं तो सच में बहुत अफसोस होता है कि बेहतर शिक्षा ना मिलने के कारण वे अपने व्यक्तित्व निर्माण में कितना पिछड़ गए। वे इंटरव्यू देते वक्त पूरी तरह से सड़क छाप ही लगते हैं। बेशक,शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। एक सफल जीवन में सार्थक शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में आगे बढ़ता है, सही गलत में अंतर कर पाता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही है तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। मनु भाकर और दूसरे खिलाड़ियों के कोचों का दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी दें। मनु भाकर के अलावा भी हमारे यहां बहुत सारे

खिलाड़ी साबित करते रहे हैं कि खेलों में सफलता के साथ-साथ पढ़ाई करना भी संभव है। यह सट है कि पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए बहुत समर्पण और मेहनत चाहिए। इसके अलावा, व्यक्ति को अपने खेल के शिखर पर पहुंचने के लिए बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है। तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बीच, अधिकांश एथलीटों के लिए पढ़ाई पीछे छूट जाती है। पर इस तरह के खिलाड़ियों की भी कोई कमी नहीं है, जिन्होंने अपने खेल और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाया और दोनों क्षेत्रों में कामयाबी हासिल की है। ये व्यक्ति बौद्धिक और शारीरिक शक्ति का शानदार उदाहरण हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के हाल तक कोच रहे राहुल द्रविड़ को दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी प्रारूपों में 23,000 से अधिक रन हैं। राहुल द्रविड़ ने कॉमर्स में स्नातक की डिग्री भी हासिल की है, जिसे उन्होंने बैंगलोर के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्राप्त किया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने से पहले, वह एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। कर्नाटक और भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथी अनिल कुंबले ने सभी प्रारूपों में 900 से अधिक विकेट लिए हैं और टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच भी रहे हैं। उनके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है। अब शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बात कर लेते हैं। विश्वनाथन आनंद पहले भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं। वह पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन हैं और उन्हें शतरंज के सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जा सकता है। शतरंज के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों ने उनकी शिक्षा को बाधित नहीं किया। उनके पास चेन्नई के लोयोला कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री है। यह हरेक इंसान को समझन होगा कि हमारे जीवन में शिक्षा का क्यों इतना महत्व है और हर व्यक्ति को शिक्षित होना क्यों जरूरी है? सबसे जरूरी बात यह है किशिक्षा हमें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षित लोग अपने जीवन के बारे में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित लोग अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। मनु भाकर यह साबित करती है कि हरेक इंसान के लिए शिक्षा कितनी अहमियत रखती है।

शब्द पहेली - 8211

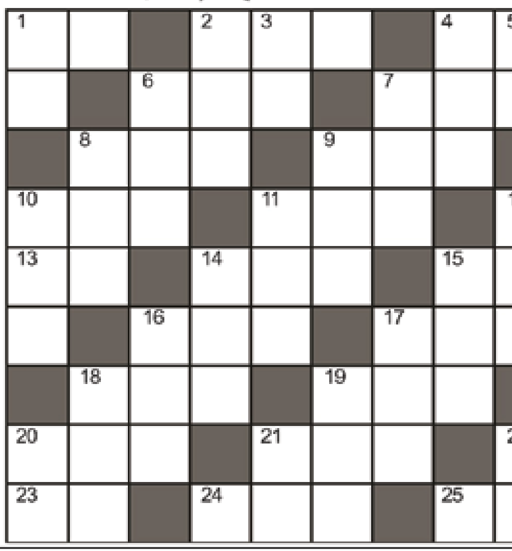

बाएँ से दाएँ
1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत,मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा,मदद-3
8. आश्रय,शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. दासत्व,गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा,लालसा-3
15. दुगना,दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी,साजन-3
21. कैनाल,उपनदी-3
23. जीवन सत्व,प्राण-2
24. प्रहार,आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे
1. अभिमान-2
2. मारना,वध करना-2
3. नृत्य,कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात,अनाम-3
7. नदी,दरिया-3
8. जांच,परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश,विध्वंस-3
14. अंजन,नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक,संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड,शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8210 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7149

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7148 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सीएमए कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग एक सर्टिफिकेट कोर्स है। छात्र तीन स्तरों में एक सीएमए एग्जाम पास कर फंडामेंटल्स, इंटरमीडिएट और कंप्लीशन में शामिल हो सकता है। यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यताओं में से एक हैं।

सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग भारत के इंस्टिट्यूट्स द्वारा प्रदान किए जाने वाला एक प्रोफेशनल कोर्स है। कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी को भारत में बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इसकी मुख्य ब्रांच कोलकाता में है।

यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है। इस कोर्स को 4 पिलर पर बनाया गया है। इसके चार पिलर मैनेजमेंट, रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, स्ट्रैटजी और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग है। छात्र तीन स्तरों में एक सीएमए एग्जाम पास कर फंडामेंटल्स, इंटरमीडिएट और कंप्लीशन में शामिल हो सकता है।

क्यों करें सीएमए कोर्स

आपको बता दें कि सीएमए डिग्री वाले उम्मीदवारों को अच्छा वेतन मिलता है। यह उम्मीदवार मैनेजमेंट और फाइनेंस के क्षेत्र में एक्सपर्ट होते हैं। क्योंकि यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यताओं में से एक हैं।

सीएमए करने के बाद आपको नौकरी के लिए कई अवसर मिलते हैं। या तो आप नौकरी शुरू कर सकते हैं या फिर मान्यता प्राप्त कंपनियों में शीर्ष पदों पर काम कर सकते हैं।

सीएमए कोर्स

- यह कोर्स 3-4 साल की अवधि का होता है। इसके अलावा यह कोर्स 3 भागों में बाटा गया है।
- सीएमए फाउंडेशन – 8 महीने
- सीएमए इंटरमीडिएट – 10 महीने
- सीएमए फाइनल – 18 महीने

फीस

इन तीनों चरणों की फीस अलग-अलग होती है।

- सीएमए फाउंडेशन की फीस- 4,000
- सीएमए इंटरमीडिएट की फीस- 15 से 20,000
- सीएमए फाइनल की फीस- 18,000

सीएमए कोर्स के लिए टॉप कॉलेज और यूनिवर्सिटी

- आईसीएटी-इमेज कॉलेज ऑफ आर्ट्स एनिमेशन एंड टेक्नोलॉजी
- इंस्टिट्यूट ऑफ कॉ अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)
- जीईएमएस-गुरुकुल एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज।
- जीवकरण इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- एसएमजेसी-श्री मेधा जूनियर कॉलेज
- जेटविंग्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
- जीसीईसी जयपुर
- सीएमए कोर्स के लिए विदेश के टॉप कॉलेज और यूनिवर्सिटीज
- आईएमए (इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स), यू.एस
- यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी
- वर्जीनिया यूनिवर्सिटी
- नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी
- विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी
- बायलर यूनिवर्सिटी
- फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी

नीट की तैयारी के समय इन गलतियों को करने से बचें

नीट में शामिल होने वाले छात्र इस बात का खास ध्यान रखें कि वे तैयारी के दौरान एनसीईआरटी पर ही भरोसा रखें और उसी की मदद से तैयारी करें।

देश की कठिनतम परीक्षाओं में से एक मानी जानी वाली नीट की तैयारी के लिए लाखों छात्र हर साल पूरे लगन और संकल्प के साथ तैयारी करते हैं। जहां कई छात्रों को अपने लक्ष्य में सफलता मिल जाती है वहीं कई छात्र ऐसे भी हैं जिन्हें अपने पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलती। लेकिन छात्र अपने पहले अटेम्प्ट में ही नीट में बेहतर रैंक प्राप्त कर सकते हैं बस उन्हें कुछ जरूरी गलतियों को सुधार कर अपनी तैयारी की स्ट्रेटेजी बनानी होगी। आइए जान लेते हैं कि छात्र किन गलतियों को करने से बचे ताकि उन्हें सफल होने से कोई न रोक पाए।

एनसीईआरटी की किताबों को न करें इग्नोर

अक्सर छात्र तैयारी करते समय इतने कंफ्यूज रहते हैं कि वे सप्लीमेंट्री बुक्स को प्रतियोगी परीक्षा के लिहाज से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं और एनसीईआरटी किताबों को इग्नोर कर देतें। लेकिन अगर आप ट्रेंड देखें तो ज्यादा प्रश्न एनसीआरटी की किताबों से ही पूछे जाते हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि तैयारी के समय एनसीईआरटी किताबों को बिल्कुल न इग्नोर करें।

मल्टीपल सोर्स को कहें ना

छात्र तैयारी करते समय ध्यान रखें कि एक विषय के लिए केवल एक ही सोर्स का इस्तेमाल करें। यानी ऐसा बिल्कुल न करें कि एक टॉपिक के लिए थोड़ा इस किताब से और थोड़ा उस किताब से पढ़ लिया। ऐसा करना छात्र की सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है। अगर आप किसी विषय के लिए एनसीईआरटी की किताब का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पूरा उसी से पढ़िए।

पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र को न करें इग्नोर

परीक्षा की तैयारी में छात्र सब कुछ अच्छे से पढ़ लेते हैं लेकिन उसकी प्रैक्टिस करना ही भूल जाते हैं। ऐसा करने से आपको विषय की सारी जानकारी तो होती है लेकिन आपको इस बात की जानकारी नहीं होती कि परीक्षा में किस तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र से आप आइडिया ले सकते हैं कि किन विषयों से प्रश्न पूछे जा रहे हैं और किन विषयों पर अधिक तैयारी की जरूरत है।

टाइम मैनेजमेंट की कमी

छात्र जब भी परीक्षा की तैयारी करते हैं तो टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखने में कोताही बरतते हैं। जब भी आप पढ़ाई करें तो इस बात को ध्यान में रख कर करें कि सभी विषयों को एक समान टाइम देना जरूरी है। अगर आप ऐसा करते हैं तो हर विषय को आप टाइम दे पाएंगे और हर सब्जेक्ट में अच्छे मार्क्स भी मिलेंगे।

इन बहानों से नहीं मिल पाती हैं करियर में सफलता

कई लोग जल्द से जल्द सफलता पाना चाहते हैं। करियर में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं और उसके लिए पूरी मेहनत, लगन से कोशिश भी करते हैं। लेकिन ऐसी कौन सी गलतियां हो जाती है कि उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती और करियर ग्रोथ रुक सी जाती है। आइए जानते हैं ऐसे 5 कारण जिससे करियर प्रभावित होता है और आप पीछे रह जाते हैं

खुद को कम आंकना

अक्सर लोग सफलता तो पाना चाहते हैं लेकिन खुद को अंडरएस्टिमेट करते हैं। लोगों के पास एक बहाना होता है कि मैं काबलि नहीं हूं या मेरे पास इस काम को करने की योग्यता नहीं है। इसका मतलब यही है कि या तो वे अपनी योग्यता को बहुत ही कम आंक रहे हैं। या फिर वे उस क्षेत्र में सफल लोगों की योग्यता को बहुत ज्यादा आंक रहे हैं।

किस्मत को कोसना

किस्मत या नसीब को कोसने वाले कैसे आगे बढ़ सकते हैं। अगर आप किसी काम में असफल रहे या जो चाहते हैं नहीं मिल पाया तो वे किस्मत को ही दोष देते हैं। अगर आपकी यह आदत है तो समझ जाइए आप गलत ट्रेक पर है।

समय का रोना

यह एक आम बहाना है जिसे अक्सर लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है। आप करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन बस एक ही रोना कि समय नहीं है। अब अगर आप ऐसा ही करते रहे तो समय आपकी मुट्ठी से निकल जाएगा और पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

फेल होने का डर

अगर आप पहले से ही असफल होने का डर मन में लेकर काम करेंगे तो यह सच होना ही है। पहले भी असफल होने के इस बहाने के कारण आगे प्रयास नहीं कर पाते हैं। अगर आप पहले कभी असफल हुए है तो इसका मतलब नहीं कि हर बार होंगे। आपको दोबार कोशिश करनी चाहिए जब तक कि आप सफल ना हो जाएं।

पहले ही हार मान लेना

यह काम तो बहुत मुश्किल है मुझसे नहीं होगा। अब ये मजेदार बहाना है आगे नहीं बढ़ने का। कभी-कभी हम काम को शुरू किए बिना ही मान लेते हैं कि ये काम मुश्किल है, नहीं होगा। ऐसा कहने से काम और मुश्किल लगने लगता है या शुरू ही नहीं होता। इसलिए मेहनत और लगन से काम करें फिर देखें कि काम कितना आसान हो जाता है।

फिटनेस में है रुचि तो न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर, मिलेगी अच्छी सैलरी

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। ऐसे में आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर चमका सकते हैं।

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या हैं फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट भी डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में BSc और MSc कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

कितनी मिलेगी सैलरी

इस फील्ड में सैलरी अनुभव और पद के अनुसार मिलती है। ऐसे बताया जाए तो गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन में आपको 2.50 से 3.50 लाख रुपये तक आप कमा सकते हैं। वहीं प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में साल के 3 से 5 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ ही आपकी सैलरी 8 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

सीखिए लैपटॉप रिपेयरिंग

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर-

स्किल्स- कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

कोर्स- लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

संभावनाएं- कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

आमदनी- इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यत: आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

अमेरिका के नोआ लाइल्स को स्वर्ण मिलने पर उठे सवाल

जमैका के थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही। इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं। फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है। इसके बाद सभी इससे हैरान हैं कि अमेरिकी धावक को कैसे विजेता घोषित कर दिया गया। नियम के अनुसार किसी भी रेस में फिनिशिंग लाइन को पहले बार करने वाला धावक विजेता माना जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिनिशिंग लाइन तो थॉम्पसन ने पार की फिर नोआ लाइल्स को कैसे जीता हुआ माना लिया गया। वहीं नियम के अनुसार धावक के पैर या हाथ के फिनिशिंग लाइन पार करने से दौड़ पूरी नहीं मानी जाती। ये तब पूरी मानी जाती है जब धावक का सीना फिनिश लाइन को पार कर ले।

बीसीसीआई को लगानी होगी शराब और तंबाकू से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन पर रोक : स्वास्थ्य मंत्रालय

मुम्बई। अब आने वाले समय में भारतीय क्रिकेटर तंबाकू-शराब से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन नहीं कर पायेंगे। देश में क्रिकेट मैचों के दौरान कई बार तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन अन्य उत्पादों के जरिए पेश किये जाते हैं पर अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसको लेकर बीसीसीआई को कदम उठाने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि क्रिकेट स्टेडियमों में तंबाकू-शराब को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर रोक लगायी जाये। सरकार का मानना है कि कई युवा क्रिकेटरों को आदर्श मानते हैं और उनसे प्रभावित रहते हैं। ऐसे में इस प्रकार के विश्रापनों का उनपर विपरीत प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मामले में बीसीसीआई को एक पत्र भी लिखा है1 जिसमें अपनी चिन्ताएं जाहिर की हैं। इसमें कहा गया है कि बीसीसीआई को भारत के खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रशंसकों को ध्यान में रखते हुए खेल को बढ़ावे देने के लिए नीतियां, रूपरेखा, दिशानिर्देश सही बनाने चाहिये जिससे आईपीएल जैसे क्रिकेट आयोजनों के दौरान कुछ जाने-माने क्रिकेटरों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन करते हुए देखना निराशाजनक हैं। ऐसें बीसीसीआई खिलाड़ियों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन को रोकने के लिए सकारात्मक कदम उठाये। बीसीसीआई को इन विज्ञापनों से करोड़ों रुपये की आय होती है। ऐसे में देखना है कि बोर्ड क्या कर्रवाई करता है।

ऋषभ, ईशांत और ललित दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 17 अगस्त से यहां होने वाली दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलेंगे। ऋषभ को इस लीग के लिए दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम में ऋषभ के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी खेलेंगे। दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग 17 अगस्त से शुरु होकर सितंबर तक चलेगी। इसका फाइनल 8 सितंबर को खेला जाएगा। इस इस लीग में ऑलराउंडर ललित यादव भी खेलेंगे। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर शिवम शर्मा हैं को रखा है। इस फ्रेंचाइजी ने ऑफ स्पिनर अर्पित राणा और तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी अपने साथ रखा है। इस लीग के सभी मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। टी20 लीग के उद्घाटन सीजन में कुल 40 मैच होंगे इसमें 33 पुरुष और 7 महिलाएं हैं। इसमें पुरुष वर्ग में 33 और महिला वर्ग में 7 मैच शामिल हैं। इस लीग के लिए हुए ड्राफ्ट में दिल्ली के 270 क्रिकेटर शामिल थे, जिनमें राष्ट्रीय, आईपीएल, राष्ट्रीय और अंडर-19 टीमों में खेलने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं. पुरानी दिल्ली 6 टीम इस प्रकार हैः ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, ललित यादव, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भदाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छीकरा, अर्णव बग्गा, वंश बेदी, मंजीत यश भारद्वाज, संभव शर्मा।

पेरिस ओलंपिक में ध्वजवाहक होंगी मनु

पेरिस। पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में मनु भाकर भारत की ध्वजवाहक होंगी। मनु ने यहां निशानेबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक जीते हैं। मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत को पहला पदक दिलाया था। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, ''मनु को ध्वजवाहक के रूप में चयनित किया गया है क्योंकि उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए वह इस सम्मान की अधिकारी हैं। वहीं मनु ध्वजवाहक बनने को लेकर उत्साहित है। इस निशानेबाज ने कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान के साथ ही गर्व की बात होगी। मनु ने कहा,''भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो मेरे से अधिक अधिकारी हैं पर अगर मुझे ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो यह वास्तविक सम्मान होगा।'' भारतीय ओलंपिक संघ ने अभी तक पुरुष वर्ग में ध्वजवाहक का नाम घोषित नहीं किया है।

लक्ष्य पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हारे

कांस्य के लिए मुकाबला आज

पेरिस। भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन को पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। लक्ष्य को इस मुकाबले में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने 22-20, 21-14 से हराया। अब लक्ष्य सोमवार को कांस्य पदक के लिए मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अच्छी शुरुआत की और वह एक समय तक 6-0 से आगे थे पर इसके बाद एक्सेलसन ने वापसी करते हुए स्कोर 4-8 कर दिया। एक्सेलसन ने इसके बाद स्कोर 13-12 कर दिया। इसके बाद दो अंक विक्टर के पक्ष में गए और स्कोर 15-12 पहुंच गया। एक्सेलसन ने इसके बाद एक के बाद एक अंक हासिल किये और 17-13 से आगे हो गए। लक्ष्य इसके बाद वापसी में असफल रहे। विक्टर ने दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। लक्ष्य ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद अच्छी शुरुआत की। एक समय एक्सेलसन भारतीय खिलाड़ी को 3-0 की बढ़त मिल गयी थी पर इसके बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए स्कोर को 6-6 से बराकर कर दिया। इसके बाद लक्ष्य लय में आते दिखे और स्कोर को 7-6 कर दिया। एक्सेलसन ने इसके बाद स्कोर को जल्द ही 7-7 से बराबर कर दिया। लक्ष्य ने इसके बाद स्कोर को 8-8 किया। डेनमार्क के खिलाड़ी ने स्कोर को 9-8 कर दिया। फिर लक्ष्य ने ने 9-9 की बराबरी की।

व्यापार

महायुद्ध की आहट से शेयर बाजार हुआ धड़ाम

- सेंसेक्स 2400 अंक से अधिक गिरा, निफ्टी भी 24,300 के नीचे
- टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और रिलायंस के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई

मुंबई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की आशंकाओं को देखते हुए दौरान वैश्विक बाजारों में बड़ी गिरावट की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुलते ही क्रैश हो गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंक का गोता लगाकर 24,228.05 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के बावजूद सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं विदेशी निवेशकों की इस जबरदस्त बिकवाली के बीच सेंसेक्स शुक्रवार को 885.60 अंक गिरकर 80,981.95 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी-50 भी 293.20 अंक लुढ़ककर 24,717.70 पर बंद हुआ। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को बाजार में 3,310 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। हिंडाल्को 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर निफ्टी का टॉप लूजर रहा. टाटा मोटर्स, श्रीरामफाइनेंस, ओएनजीसी और अडाणी पोर्ट्स में भी गिरावट देखने को मिल रही है। ये शेयर निफ्टी के टॉप 5 लूजर हैं। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 2 फीसदी, स्मॉल कैप में 2.50 फीसदी, ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और फॉर्मा समेत सभी सेक्टर्स में 1-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एशियाई क्षेत्र में गिरावट का नेतृत्व जापान के बाजारों ने किया, जहां अस्थिर कारोबार के बीच निक्केई 225 में 5.77 प्रतिशत और टॉपिक्स में 7.41 प्रतिशत तक की गिरावट आई। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 2.78 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 4.32 प्रतिशत और कोस्डैक में 4.78 प्रतिशत की गिरावट आई। इस बीच हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स भी लाल निशान में कारोबार कर रहा था और इसमें 1.59 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका में शुक्रवार को जुलाई के पेरोल डेटा के बाद मंदी की आशंका गहरा गई। दरअसल इस डाटा में दिखाया गया है कि अमेरिकी बेरोजगारी दर पिछले महीने के 4.1 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर तीन साल के उच्चतम स्तर 4.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसके बाद अमेरिकी बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन सैस के अर्थशास्त्रियों ने अगले 12 महीनों में अमेरिका में मंदी की संभावना 15 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दी है। उधर हमास चीफ की हत्या के बाद मीडिल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है जिससे ईरान-इजराइल के बीच युद्ध की आशंका गहरा गई है। यह फैक्टर भी वैश्विक बाजार को प्रभावित कर रहा है।

शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट की यह रही वजह

1. अमेरिका में नौकरी के बेहद ख़राब आंकड़ों के बाद देश में मंदी की आशंकाओं को बल मिल है जिससे शेयर बाजार का सेंटीमेंट प्रभावित हुआ।
2. चीन और यूरोप पहले से ही मंदी से जूझ रहे हैं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी बाजारों पर और दबाव बढ़ रहा है।
3. अमेरिकी आर्थिक ग्रोथ में मंदी की आशंकाओं के कारण वैश्विक बाजारों में बिकवाली का असर भारत की स्टॉक मार्केट पर भी पड़ा।
4. भारतीय शेयर बाज़ार का मौजूदा वैल्यूएशन बढ़ा हुआ है और विशेषज्ञों का कहना है कि बाज़ार में एक गिरावट देखने को मिल सकती है।

15 अगस्त को होगी महिंद्रा 5-डोर थार रॉक्स की लॉन्चिंग

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा थार का एक नया मॉडल लॉन्च करने जा रही है। जानकारी के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त को महिंद्रा 5-डोर थार रॉक्स (रोक्स) की लॉन्चिंग है। महिंद्रा 5-डोर थार रोक्सको कई बार भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। कंपनी ने इस नई एसयूवी का एक और टीजर जारी किया है। इस टीजर में बॉलीवुड का मशहूर गीत 'इंतहा हो गई इंतजार की...' का इस्तेमाल किया गया है। टीजर में बहुप्रतीक्षित 5-डोर थार रोक्स के कुछ एक्सटीरियर विवरणों का खुलासा हुआ है। थार रॉक्स स्टैंडर्ड थार एसयूवी का 5-डोर वर्जन है। इस एसयूवी का डिजाइन पुरानी थार की तरह ही होगा, हालांकि ये मौजूदा थार से थोड़ी बड़ी होगी। 5 डोर वाली थार की लंबाई और ऊंचाई मौजूदा थार से ज्यादा होगी। सर्कुलर मोशन में एलईडी हेडलाइट्स होगी और साथ में एलईडी डीआरएलएस मिलेंगे। थार रॉक्स में 3-डोर वर्जन के 7-स्लॉट डिजाइन के बजाय डबल-स्टैक्ड 6 स्लॉट ग्रिल की सुविधा होगी। सर्कुलर हेडलैंप में अब एलईडी प्रोजेक्टर और सी-शेप के डीआरएल की सुविधा है जबकि फॉग लाइट और टर्न इंडिकेटर्स की स्थिति बरकरार है। इस कार में 10.25 इंच में टचस्क्रीन इन्फोटेन्मेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कलस्टर भी मिल सकता है। महिंद्रा 5-डोर थार रॉक्स का सीधा मुकाबला फोर्स गुरखा 5-डोर से होगा। बता दें कि इंडियन ऑटो मार्केट में महिंद्रा थार एक ऐसा एसयूवी है, जिसे ऑफ-रोडिंग और एडवेंचर के लिए बहुत पसंद किया जाता है।

टाटा पंच बनी 400,000 बिक्री को पार करने वाली सबसे तेज एसयूवी

- इस एसयूवी ने बना डाला सेल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा पंच एसयूवी महज 34 महीनों में 400,000 बिक्री को पार करने वाली सबसे तेज एसयूवी बन गई है। अक्टूबर 2021 में लॉन्च की गई टाटा पंच एक सबकॉम्पैक्ट एसयूवी है, जो अपने बोल्ड डिजाइन और हाई ग्राउंड क्लीयरेंस के लिए जानी जाती है। भारत में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.13 लाख रुपये है। पंच ने सबकॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में 68 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस सफलता का श्रेय 90 डिग्री डोर ओपनिंग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, रेन सेंसिंग वाइपर और 187 मिमी की उच्चतम ग्राउंड क्लीयरेंस जैसे कमाल के फीचर्स को जाता है। साथ ही सीएनजी वेरिएंट की शुरूआत ने बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान भी दिया है। ऐसे में ये उस समय से ही सबसे सुरक्षित गाड़ियों में से एक बन गई थी। अगस्त 2022 में ये सिर्फ 10 महीनों में 100,000 बिक्री हासिल करने वाली पहली एसयूवी बनी थी। इसके बाद अगले नौ महीनों में इसकी बिक्री 200,000 और उसके बाद के सात महीनों में ये आंकड़ा 300,000 तक पहुंच गया था। पंच की सफलता टाटा मोटर्स की इनोवेटिव ट्विन-सिलेंडर टेक्नोलॉजी वाली पंच आईसीएनजी की शुरुआत के साथ जारी रही। इसके अलाना पंच ईवी इलेक्ट्रिक वेरिएंट ने अपने ग्राहक बेस को एक्सपांड किया और ओवरऑल सेल ग्रोथ में योगदान दिया। इन एडिशन्स ने बाजार में पंच ब्रांड की उपस्थिति को मजबूत करने में मदद की ।ईवी के शौकीनों ने भी पंच ईवी को खूब पसंद किया जिससे ब्रांड की बिक्री में 15 प्रतिशत की एडिशनल ग्रोथ हुई। ये टाटा मोटर्स के प्योर ईवी आर्किटेक्चर पर पेश की गई पहली व्हीकल है, जो लॉन्ग रेंज और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी ऑफर करती है।

रुपया कमजोर होकर 83.80 डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को कमजोर रुख के साथ खुला और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.80 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू मुद्रा में तीव्र गिरावट भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.78 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद सर्वकालिक निचले स्तर 83.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.72 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.95 पर रहा।

बोट दे रही ऑडियो और वियपेबल गैजेट्स पर 80 प्रतिशत तक छूट

- 8,000 रुपये वाली स्मार्टवॉच मिल रही है 1,599 रुपये में

नई दिल्ली (ईएमएस)। मानसून ऑफर के तहत जानी-मानी कंपनी बोट अपने ग्राहकों को ऑडियो और वियपेबल गैजेट्स पर 80 प्रतिशत तक छूट दे रही है। इसी सेल में जबरदस्त डील बोट की एक स्मार्टवॉच पर दी जा रही है। डील के तहत सेल में ग्राहक वॉच को 2 हजार रुपये से भी कम कीमत में खरीद सकते हैं। ये वॉच ब्लूटूथ कॉलिंग जैसे फीचर्स के साथ आती है। दरअसल, हम जिस स्मार्टवॉच की बात कर रहे हैं वो बोट स्टॉर्म कॉल है। कंपनी की साइट पर सेल के दौरान इस स्मार्टवॉच को 7,990 रुपये की एमआरपी वाली कीमत की जगह 1,599 रुपये में लिस्ट किया गया है। यानी ग्राहकों को यहां 80 प्रतिशत छूट दी जा रही है। इस तरह ग्राहकों को वॉच पर 6,391 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट मिल रहा है। हालांकि, ये दिक्कत ये जरूर है कि फिलहाल कंपनी की साइट पर वॉच का केवल चेरी ब्लॉसम स्ट्रैप वाला वेरिएंट ही मौजूद है। बाकी ब्लैक, ग्रीन और ब्लू कलर ऑप्शन्स आउट ऑफ स्टॉक हैं। यानी ग्राहकों के पास अब सीमित समय ही बचा है। मोबीक्विक के जरिए पेमेंट करने पर ग्राहकों को फ्लैट 5 प्रतिशत कैशबैक भी दिया जा रहा है। बोट स्टॉर्म कॉल के फीचर्स की बात करें तो इसमें 1.69-इंच का एचडी 2.5डी कर्व्ड डिस्प्ले मिलता है। साथ ही इसमें ब्लूटूथ कॉलिंग का भी सपोर्ट मिलता है। इससे यूजर्स रिस्ट पर कॉल रिसीव कर सकते हैं और रिस्ट से ही किसी कॉन्टैक्ट को कॉल कर भी कर सकते हैं। वॉच में 10 कॉन्टैक्ट सेव भी किए जा सकते हैं। ये वॉच एसपीओ2, स्लीप और कैलोरी को भी ट्रैक करती है। साथ ही इससे हार्ट रेट को भी मॉनिटर किया जा सकता है। इसमें कई एक्टिव स्पोर्ट्स मोड्स भी दिए गए हैं। साथ ही कई वॉच फेस भी यूजर्स को मिलेंगे। इसे सिंगल चार्ज में 7 दिन तक चलाया जा सकता है। ग्राहकों को वॉच के साथ 1 साल की वारंटी भी मिलेगी। साथ ही ग्राहकों को यहां 7 दिन रिप्लेसमेंट का भी ऑप्शन मिलेगा। बता दें कि कंपनी द्वारा अपनी साइट पर ग्रांड मानसून फेस्ट सेल का आयोजन किया है।

नेटफ्लिक्स की राणा नायडू सीजन 2 की शूटिंग शुरू

अर्जुन रामपाल की हुई एक्शन मोड में एंट्री

साउथ सिनेमा के दो सुपरस्टार वेंकटेश और मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में भल्लालदेव का रोल कर चुके एक्टर राणा दग्गुबती ने बीते साल (2023) अपनी ड्रामा सीरीज राणा नायडू से डिजिटल पर्दे पर धमाका मचा दिया था. राणा नायडू नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और ओटीटी के दर्शकों ने इसे खूब प्यार दिया था. राणा नायडू की सक्सेस के बाद से इसके सीजन 2 की चर्चा है. नेटफ्लिक्स ने अपनी मोस्ट अवेटेड सीरीज राणा नायडू के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है. नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है. साथ ही नेटफ्लिक्स ने एक दमदार वीडियो भी शेयर किया है. इस वीडियो से पता चलता है कि राणा नायडू सीजन 2 में अर्जुन रामपाल की एंट्री हो गई है. राणा नायडू सीजन 2 की पहली झलक में सबसे पहले खून से सना एक क्रिकेट बैट दिखता है और इसके बाद राणा दग्गुबती हाथ में गन लिए शोट करते दिखत हैं. एक के सामने कैमरामैन भी दिख रहे हैं. इसके बाद वेंकटेश का सीन आता है, जिसमें वह एक रेसिंग गाड़ी पर दिख रहे हैं. आखिर में बड़े बाल, काला कुर्ता और उसपर गमछा फुल देसी स्टाइल में अर्जुन रामपाल हाथों में लंबी देसी बंदूक थामे निशाना लगाते दिख रहे हैं. राणा नायडू में वेंकटेश, राणा दग्गुबती, प्रिया बनर्जी, सुरवीन चावला, गौरव चोपड़ा, सुशांत सिंह, अभिषेक बनर्जी, राजेश जायस, आशिष विद्यार्थी को अहम रोल में देखा गया था. अब राणा नायडू 2 में अर्जुन रामपाल की एंट्री हो गई है. नेटफ्लिक्स ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वेंकटेश, राणा दग्गुबाती और अर्जुन रामपाल को एक्शन मोड में देखा जा रहा है. इस सीरीज को सुपर्णा वर्मा, अभय चोपड़ा और करण अंशुमन बना रहे हैं. राणा नायडू के बारे में बता दें कि यह साल 2013 में आई अमेरिकन क्राइम टीवी सीरीज रे डोनोवन का ऑफिशियल अडेप्शन है. फिलहाल मेकर्स ने यह जानकारी नहीं दी है कि राणा नायडू सीजन 2 नेटफ्लिक्स पर कब तक स्ट्रीम होगी.

आईफा उत्सवम 2024 में लॉन्च होगा ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी स्टारर केडी-कालिदास का ट्रेलर

केडी-कालीदास का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आईफा उत्सव 2024 में लॉन्च होने वाला है। दो दिवसीय महोत्सव 6 और 7 सितंबर को अबू धाबी के यास द्वीप पर एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा। सुपरस्टार ध्रुव सरजा ने अपने सोशल मीडिया पर यह रोमांचक खबर साझा की, उन्होंने फिल्म का पोस्टर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 6 और 7 सितंबर को आईफा उत्सव 2024 में केडी-कालीदास के विशेष ट्रेलर लॉन्च के लिए तैयार हो जाइए, केवल अबू धाबी के यास द्वीप पर। अभी अपनी सीटें पकड़ें! आईफा उत्सव में विशेष ट्रेलर लॉन्च केडी-कालीदास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है, जो इसे इस साल के अंत में रिलीज होने से पहले वैश्विक दर्शकों को लुभाने का अवसर प्रदान करेगा। इस रोमांचक अवसर पर टिप्पणी करते हुए, केडी-कालीदास के लेखक और निर्देशक प्रेम ने अपना उत्साह व्यक्त किया: मैं आईफा उत्सव समारोह के प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर केडी-कालीदास के विशेष ट्रेलर लॉन्च का अनावरण करते हुए बेहद रोमांचित हूँ। इस फिल्म के निर्देशक और लेखक के रूप में, जो राम और रावण के सह-अस्तित्व के समान अच्छे और बुरे के द्वंद्व की खोज करती है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि केडी-कालीदास सिफ़र् एक खूनी कहानी से कहीं बढ़कर है। इसमें एक रोमांटिक और नैतिक रेखा है। तैयार हो जाइए क्योंकि केडी-कालीदास एक ब्लॉकबस्टर एक्शन थ्रिलर, एक शुद्ध दृश्य तमाशा होने का वादा करती है। केवीएन प्रोडक्शंस के तहत निर्मित, मुझे विश्वास है कि यह इस साल के अंत में सभी पाँच भाषाओं: कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ होने के कारण पूरे भारत में धूम मचा देगी। इंतज़ार नहीं कर सकता! यह फिल्म पूरे भारत में धूम मचाने का वादा करती है, जो साल के सबसे रोमांचक सिनेमाई अनुभवों में से एक के लिए मंच तैयार करती है। इसमें ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं और इसमें शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, रमेश अरविंद, संजय दत्त, नोरा फतेही और वी रविचंद्रन जैसे कलाकार शामिल हैं। प्रेम द्वारा लिखित और निर्देशित तथा केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह अखिल भारतीय परियोजना दर्शकों को 1970 के दशक के बैंगलोर की जीवंत सड़कों पर वापस ले जाएगी। ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित एक रोमांचक कहानी के साथ, फिल्म में एक्शन और पीरियड ड्रामा का मिश्रण है। यह एक अखिल भारतीय मनोरंजक फिल्म होगी जिसे तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा।

मैंने हमेशा अपने बारे में अच्छी अफवाहें सुनी हैं : प्रज्ञा जायसवाल

तेलुगू सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल जल्?द ही अपकमिंग फिल्?म खेल खेल में से बॉलीवुड में डेब्?यू करने जा रही हैं। उन्?होंने कहा कि हमेशा उन्?होंने अपने बारे में सकारात्मक अफवाहें सुनी हैं और उम्मीद जताई कि ये अफवाहें सच हों। मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान प्रज्ञा से पूछा गया कि क्या किसी अफवाह ने उनके घर में हलचल मचाई है। प्रज्ञा ने जवाब दिया, मैंने अपने बारे में कभी कोई नकारात्मक अफवाह नहीं सुनी। मेरे सामने आई सभी अफवाहें अच्छी और सकारात्मक रही हैं। फिल्म एनबीके 109 के लिए नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम कर रहीं अभिनेत्री ने विभिन्न उद्योगों में काम करने के अपने अनुभव शेयर किए। प्रज्ञा ने कहा, ये दोनों अनुभव अद्भुत हैं। मैं दो अलग-अलग उद्योगों और भाषाओं में काम करने के लिए आभारी हूं। मैं केवल अच्छी फिल्मों, अच्छी कहानियों का हिस्सा बनने और यादगार किरदार निभाने का प्रयास कर रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे ये अवसर मिल रहे हैं। भाषा मेरे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। मैं सिर्फ अच्छा काम करना चाहती हूं। खेल खेल में अक्षय कुमार, एमी विर्क, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 को टक्?कर देगी। टी-सीरीज फिल्म वकाउ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन खेल खेल में मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लैक रिवीलिंग आउटफिट पहन निकिता दत्ता ने लगाया ग्लैमर का तड़का

हॉट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। कबीर सिंह फेम एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर लोग अपने होश खो बैठे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने बेहद ही स्टाइलिश ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। चाहे इडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर इंटरनेट का पारा गर्म करती रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी ज्यादा जबरदस्त है।

राम पोथिनेनिन की फिल्म डबल आईस्मार्ट का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़

उस्ताद राम पोथिनेनिन और डैशिंग डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ की सनसनीखेज हिट आईस्मार्ट शंकर अपनी थिएटर रिलीज़ से पहले ही म्यूज़िकल हिट बन गई थी। इसी तरह, इस घातक संयोजन में दूसरी फिल्म का एल्बम भी फिल्म की रिलीज़ से बहुत पहले ही चार्टबस्टर बन गया है। फिल्म डबल आईस्मार्ट जो आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है, उसका संगीत मणि शर्मा ने दिया है, जिन्होंने एक और बड़े पैमाने पर अपील करने वाला फुटटैपिंग एल्बम बनाया है। पहले सिंगल स्टेप्पा मार को सकारात्मक

प्रतिक्रिया मिली। आज, फिल्म का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़ किया गया। कसारला श्याम द्वारा लिखे गए गीत अनोखे हैं और एक विशिष्ट हैदराबादी स्लैंग का अनुसरण करते हैं। मणि शर्मा की रचना बहुत ही देशी लोक स्वाद की है जिसमें बहुत ऊँची बीट्स हैं। राहुल सिप्लीगुंज, धनुंजन सीपना और कीर्तना शर्मा की तिकड़ी ने गाने के लिए स्वर दिए हैं, और उनकी आवाज़ें गाने की ऊर्जा के साथ तालमेल बिठाती हैं। खास तौर पर हुक स्टेप, कुछ ही समय में लोकप्रिय हो जाएगा। राम के साथ थिरकने वाली काव्या थापर ने इस गाने में ग्लैमर का तड़का लगाया, जिसे जीवंत सेटों में जीवंत रूप से फिल्माया गया। पुरी कनेक्ट्स बैनर में पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर द्वारा निर्मित, इस फिल्म में संजय दत्त एक शक्तिशाली भूमिका में हैं और काव्या थापर राम के साथ मुख्य भूमिका में हैं। सैम के नायडू और गियानी गियानेली ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाली है, जो 15 अगस्त को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

विदुथलाई पार्ट 2 से विजय सेतुपति का फर्स्ट लुक आउट, रोंगटे खड़े कर देगा एक्टर का खौफ

साउथ फिल्मों के दमदार एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म महाराजा से छाए हुए हैं. फिल्म महाराजा में उनके एक्टिंग और रोल को खूब तालियां मिल रही हैं. इस बीच क्राइम थ्रिलर फिल्म विदुथलाई (2023) के सीक्वल से भी एक्टर चर्चा में हैं. हाल ही में इस विदुथलाई पार्ट 2 पर अपडेट आया था. फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 से विजय सेतुपति और मंजू वॉरियर का फर्स्ट लुक सामने आया है. विदुथलाई पार्ट 2 मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म से दो पोस्टर छोड़े हैं. वेत्रीमारन के निर्देशन में बनी फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 की रिलीज डेट का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन फिल्म से आए दो पोस्टर में फिल्म की लीड स्टारकास्ट की शानदार झलक देखने को मिल रही है. फिल्म के पहले पोस्टर में विजय सेतुपति का खूंखार अवतार देखने को मिल रही है. इस पोस्ट में विजय के हाथ में एक खंजर है और वह दहाड़ मारते दिख रहे हैं. वहीं, दूसरी तस्वीर में विजय सेतुपति और मंजू वॉरियर एक रोमांटिक फोटो है, जिसमें वह एक साइकिल पर खड़े हैं. मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर लिखा है, फिल्म की फाइनल स्टेज पर आपके लिए यह

तोहफा है. यानि फिल्म अपनी मेकिंग के फाइनल टच पर है. आरएस इंफोटेनमेंट, एलेड कुमार, रेड जियांट मूवीज, ए ग्रासरूट फिल्म कंपनी प्रोड्क्शन्स की पेशकश फिल्म में संगीत के सरताज इलैयाराजा का संगीत होगा.